राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 20अगस्त-2021 वर्ष-4, अंक - 208 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

बंगाल हिंसा की जांच करेगी सीबीआई, आदेश बेगुनाह वोटरों को न्याय की दिशा में पहला कदम

नई दिल्ली ।

कोलकाता हाईकोर्ट ने बंगाल में चुनाव के बाद हुई हिंसा की सीबीआई जांच के आदेश दिए है। इसपर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा गठित टीम के सदस्य रहे राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के वाइस चेयरमैन आतिफ रशीद ने कहा कि, 'यह आदेश बंगाल के उन बेगुनाह वोटरों को न्याय की दिशा में पहला कदम है।' दरअसल पश्चिम बंगाल सरकार को बड़ा झटका देकर कोलकात्ता उच्च न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ ने गुरुवार को चुनाव के बाद हुई हिंसा की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी। वहीं अन्य कम गंभीर अपराधों की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम का गठन किया है। अदालत ने राज्य सरकार को चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ितों के लिए मुआवजे की तत्काल कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया। अल्पसंख्यक आयोग के वाइस चेयरमैन आतिफ रशीद ने कहा कि, 'यह आदेश बंगाल के उन बेगुनाह वोटरों को न्याय की दिशा में पहला कदम है। जिन्होंने बंगाल चुनाव में अपने संविधानिक अधिकार का प्रयोग किया था, अपनी पसंद की पार्टी को वोट करके और जिसके बदले में उन्हे हिंसा और पलायन जैसा परिणाम को भुगतना पड़ा, जिस पुलिस, सरकार ने अनदेखा किया।' मैं आशा करता हूं की अब पुलिस ईमानदारी से काम कर बंगाल में न्याय को स्थापित करने में मदद करेगी लेकिन यह न्याय की ओर पहला कदम है, मगर इससे बंगाल का वह मजलूम दलित शोषित पीड़ित गरीब मजदूर जिन्होंने भाजपा को विकल्प के रूप में चुनने की सजा मिली थी, उन्हें न्याय की आस जरूर बनी है।' राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की सिफारिश को स्वीकार कर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल, न्यायमूर्ति आई.पी. मुखर्जी, न्यायमूर्ति हरीश टंडन, न्यायमूर्ति सौमेन सेन और न्यायमूर्ति सुब्रत तालुकदार ने निर्देश दिया कि बंगाल में अप्रैल-मई चुनाव के बाद हुई हिंसा की जांच सीबीआई द्वारा गठित एक विशेष टीम करेगी। सीबीआई दुष्कर्म और हत्या जैसे गंभीर अपराधों की जांच करेगी। सीबीआई जांच की निगरानी के लिए एक अलग डिवीजन बेंच का गठन होगा है।साथ ही अपेक्षाकृत कम घातक अपराधों की जांच के लिए खंडपीठ ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का भी गठन किया। कोलकाता के पुलिस आयुक्त सौमेन मित्रा, सुमन बाला साहू और रणवीर कुमार जैसे वरिष्ठ अधिकारी एसआईटी का हिस्सा होगा। एसआईटी द्वारा जांच की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा की जाएगी। सीबीआई और एसआईटी दोनों को छह हफ्ते बाद अपनी शुरूआती रिपोर्ट देनी होगी। अदालत ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा लगाए गए पूर्वाग्रह के आरोपों को भी खारिज कर दिया। चुनाव के बाद हुई हिंसा ने राष्ट्र का ध्यान आकर्षित किया था, क्योंकि भाजपा ने तृणमूल पर एक पार्टी कार्यकर्ताओं को मारने, महिला सदस्यों पर हमला करने, घरों में तोड़फोड़ करने और दुकानों और कार्यालयों को लूटने के का आरोप लगाया था। बंगाल सरकार ने यह कहते हुए पलटवार किया था कि हिंसा की खबरों को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया था, जिसमें फर्जी वीडियो और छवियों को गलत तरीके से प्रसारित किया गया था।

पहला कॉलम

भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां बढ़कर जटिल हो गई

नई दिल्ली । केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग की आवश्यकता पर जोर देकर गुरुवार को कहा कि दुनिया में बदलते भूराजनीतिक हालात की वजह से भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां बढ़कर जटिल हो गई हैं। रक्षामंत्री ने ये बातें उस समय पर कही हैं जब अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद भारत सहित कई देशों में चिंताएं जाहिर की जा रही हैं। तालिबान का जिक्र किए बिना रक्षा मंत्री ने कहा,आज पूरी दुनिया में सुरक्षा के हालात तेजी से बदल रहे हैं। इस वजह से, हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां बढ़कर जटिल हो रही हैं। वैश्विक भूराजनीतिक हालात में लगातार बदलाव आते रहते हैं।रक्षामंत्री ने कहा कि सुरक्षा चुनौतियों में तेजी से बदलाव को ध्यान में रखते हुए भारत को मजूबत, सक्षम और आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग पर फोकस करना होगा ताकि सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा 'यह आवश्यक है कि हम ना केवल मजबूत, आधुनिक और अच्छी तरह से सुसज्जित बल तैयार करें, बल्कि अपना रक्षा उद्योग भी विकसित करना होगा, जो मजबूत, सक्षम और सबसे बढ़कर पूरी तरह आत्मनिर्भर हो।' रक्षामंत्री ने सेक्टर में निजी क्षेत्र को भी निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा, 'जब-जब टेक्नॉलजी की बात होती है, मेरे मन में अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया जैसे उन्नत देश आते हैं। मुझे बतलाया गया है कि ये उन्नत देश अपनी टेक्नॉलाजी के दम पर आगे बढे हैं। मैं सरकार की ओर से सभी संभव सहयोग का आश्वासन देकर निजी क्षेत्र का आह्वान करता हूं कि आप लोग आगे आएं, और एक सशक्त और आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र के निमार्ण में अपना योगदान दें।'

पीएम मोदी चाहते थे कि मंत्रिमंडल का परिचय लोकसभा में हो, कांग्रेस ने ऐसा नहीं होने दिया

सोलन। जन आशीर्वाद यात्रा का स्वागत स्वास्थ्य मंत्री डॉ.राजीव सेहजल द्वारा किया गया।इस मौके पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप, मंत्री सुखराम चौधरी, राजीव बिंदल, पुरषोत्तम गुलेरिया, के एल ठाकुर, रश्मि धर सूद, डेजी ठाकुर,जिला अध्यक्ष आशुतोष वैद्या व बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित है। केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने जनता का धन्यवाद किया कि वह उन्हें इस बारिश के मौसम में भी आशीर्वाद देने पहुंची। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद की इतने छोटे से राज्य से इतनी छोटी आयु में मुझे आपने मंत्रिमंडल में मौका दिया है। उन्होंने कहा कि मोदी जी चाहते थे, कि मंत्रिमंडल का परिचय लोकसभा में हो पर कांग्रेस ने ऐसा नहीं होने दिया, हमारे मंत्रिमंडल में हर वर्ग का ख्याल रखा गया है। केंद्र का मंत्रिमंडल आज तक का सबसे युवा मंत्रिमंडल है।उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर जनता की सेवा करने आए है और उसमें हम कभी कोई कसर नहीं छोड़ने वाले हैं।उन्होंने कहा कि आज हर घर को नल योजना के तहत अगले 3 साल में सबको घर मे जल प्राप्त होगा। यह देश के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री प्रो, प्रेम कुमार धूमल सरकार की शबरी योजना, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उज्वला योजना और मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर सरकार की ग्रहणी सुविधा योजना के अंतर्गत हर घर को चूल्हा दिया है।उन्होंने कहा कि मोदी सरकार पूरे भारत के सम्पूर्ण विकास के लिए तत पर है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप ने केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का हिमाचल आगमन पर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जन आशीर्वाद यात्रा का आज से हिमाचल में सुभारम्भ हो गया है, हिमाचल की जनता में इस यात्रा और अनुराग ठाकुर के आगमन में जनता में भारी जोश है।

यूपी के सभी जिलों में कांग्रेस का जय भारत महासंपर्क शुरू, 21 अगस्त तक चलेगा अभियान

अमेठी। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का 'जय भारत महासंपर्क' अभियान गुरुवार से शुरू हो गया। अभियान 21 अगस्त तक चलेगा। कांग्रेस की जिला इकाई के प्रवक्ता डा अरविंद चतुर्वेदी ने बताया कि स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा के निर्देशानुसार 19 अगस्त से 21 अगस्त तक प्रत्येक जिले में जय भारत महासंपर्क अभियान चलाया जा रहा है।पार्टी नेता और कार्यकर्ता प्रदेश के 30 हजार चयनित गांवों और वार्ड में 75 घंटे तक रुकेंगे और आम लोगों से मुलाकात करके उन्हें कांग्रेस पार्टी के योगदान के बारे में बताएंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत अमेठी में प्रभात फेरी, जनसम्पर्क, विभिन्न मसलों पर चौपाल, चर्चा परिचर्चा, और 'मेरा गांव मेरा देश' अभियान के तहत संवाद इत्यादि कार्यक्रम होंगे। चतुर्वेदी ने बताया कि अगस्त में राजीव गांधी की जयंती पर प्रभात फेरी, श्रमदान और संगोष्ठियों समेत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सफाईकर्मियों एवं आशा कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया जाएगा।

तीन कृषि कानूनों को लेकर भ्रम का जाल बुना जा रहा : रक्षामंत्री राजनाथ

पंचकूला।

केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने केंद्र के तीन कृषि कानूनों का बचाव कर कहा कि अगर किसानों को लगता है कि कानूनों में कोई भी खंड उनके हितों के खिलाफ है,तब सरकार उनसे बात करने के लिए तैयार है। इन कानूनों को पूरी तरह से समझने पर जोर देकर सिंह ने कहा कि ''विरोध का माहौल बनाया जा रहा है। गौरतलब है कि मुख्यत- पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी यूपी के किसान इन कानूनों को रद्द करने की मांग को लेकर पिछले साल नवंबर से दिल्ली की सीमाओं पर डेरा डाले हुए हैं। किसान समूहों ने आरोप लगाया कि इन कानूनों से मंडी और न्यूनतम समर्थन मूल्य खरीद व्यवस्था खत्म कर उन्हें बड़े कारपोरेट घरानों की दया पर छोड़ दिया जाएगा। सिंह ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत राज्य स्तरीय अन्नपूर्णा कार्यक्रम के लिए लोगों को संबोधित करते हुए किसानों के कल्याण में कदम उठाने के लिए नरेन्द्र मोदी सरकार की तारीफ की। सिंह ने कहा, ''हमारी सरकार तीन कृषि कानून लेकर आई, लेकिन मुझे लगता है कि इन कानूनों को पूरी तरह समझने की आवश्यकता है। लेकिन एक विरोध का माहौल भी पैदा किया जा रहा है। मुझे लगता है कि किसान भाइयों को यह समझना चाहिए।'' उन्होंने कहा, न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर भ्रम पैदा किया गया। किसानों ने सच जानना शुरू कर अपने लाभ तथा हानि की गणना करनी शुरू कर दी है। मैंने कृषि कानूनों को पूरी तरह पढ़ा है और मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि मेरी जानकारी के अनुसार ऐसा कोई खंड नहीं है, जो हमारे किसान भाइयों की हितों के खिलाफ हो।'' रक्षा मंत्री ने कहा, ''अगर किसी को लगता है कि इन कानूनों में ऐसा कोई खंड है जो किसानों के हितों पर असर डाल सकता है,तब मैं पूरे विश्वास के साथ कहना चाहता हूं कि हम किसान भाइयों से बैठकर बातचीत करने के लिए तैयार हैं।'' किसानों के कल्याण के लिए मोदी सरकार द्वारा लिए फैसलों की जानकारी देकर राजनाथ सिंह ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य डेढ़ गुना बढ़ाया, और छोटे किसानों को सस्ता कर्ज दिया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों के बैंक खातों में 1.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक की रकम दी गई है। देश में इतिहास में पहले कभी ऐसा नहीं हुआ। सिंह ने कहा, ''ये सभी कदम हमारे किसान भाइयों को सशक्त और मजबूत बनाने के लिए उठाए गए।'' उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के बारे में बात करते हुए कहा कि 6,000 रुपये सीधे किसानों के खाते में गए हैं। उन्होंने कहा, ''भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश नहीं है। सारा पैसा आपके खातों में पहुंचा।''

राष्ट्रपति कोविंद का सेना के अस्पताल में मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन हुआ

नेशनल डेस्क:

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का गुरुवार को सेना के अस्पताल में मोतियाबंद का ऑपरेशन किया गया। राष्ट्रपति भवन के बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति का ऑपरेशन सफल रहा और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। देश के 14वें राष्ट्रपति के रूप में 75 वर्षीय कोविंद ने 25 जुलाई 2017 को कार्यभार संभाला था। राष्ट्रपति भवन के बयान के अनुसार, 'भारत के राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद का आज (19 अगस्त 2021) सुबह सेना के रिचर्स ऐंड रेफरल अस्पताल, नई दिल्ली में मोतियाबिंद का ऑपरेशन हुआ। ऑपरेशन सफल रहा और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।'

देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 36401 नए केस, इलाज करा रहे मरीजों की संख्या में भी आई कमी

नेशनल डेस्क।

देश में कोरोना वायरस के 36,401 नए मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,23,22,258 हो गई। वहीं 530 और मरीजों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 4,33,049 हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार को को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। गुरुवार सुबह 8 बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक लोगों के स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 97.52 फीसदी है, जो कि पिछले साल मार्च के बाद सबसे ज्यादा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 3,64,129 रह गई है, जो 149 दिनों में सबसे कम है और संक्रमण के कुल मामलों का 1.13 फीसदी है, जो मार्च 2020 के बाद सबसे कम है। पिछले 24 घंटे की अवधि में इलाज करा रहे मरीजों की कुल संख्या में 3,286 की कमी आई। मंत्रालय ने बताया कि बुधवार को 18,73,757 नमूनों की जांच हुई, जिसके बाद अब तक कुल नमूनों की जांच की संख्या बढ़कर 50,03,00,840 हो गई। दैनिक संक्रमण दर 1.94 प्रतिशत दर्ज की गई। पिछले 24 दिनों से यह तीन फ़ीसदी से नीचे रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक साप्ताहिक संक्रमण दर 1.95 प्रतिशत दर्ज की गई। पिछले 55 दिनों से यह तीन फीसदी से नीचे रही है। आंकड़ों के अनुसार अब तक संक्रमण मुक्त हुए लोगों की संख्या बढ़कर 3,15,25,080 हो गई। वहीं मृत्यु दर 1.34 फीसदी है। मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक ष्थ1द्वस्र-19 टीकों की कुल 56.64 करोड़ खुराक दी गई हैं। भारत में ष्थ1द्वस्र-19 मामलों का आंकड़ा सात अगस्त, 2020 को 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख, पांच सितंबर को 40 लाख और 16 सितंबर को 50 लाख को पार कर गया था। यह 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्तूबर को 70 लाख को पार कर गया था। इसने 29 अक्तूबर को 80 लाख, 20 नवंबर को 90 लाख और 19 दिसंबर को एक करोड़ का आंकड़ा पार किया था। देश में संक्रमण के मामलों की संख्या 4 मई को दो करोड़ और 23 जून को तीन करोड़ के आंकड़े को पार कर गई थी।

विधान सभा में बोले सीएम योगी,

उत्तर प्रदेश आज नंबर 2 की अर्थव्यवस्था बना

लखनऊ।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले 5 वर्ष के दौरान प्रदेश में बज़ट का दायरा लगभग दोगुना हुआ। आज हम लगभग 6 लाख करोड़ रुपये तक बज़ट के दायरे को पहुंचाने में सफल रहे हैं। बड़ी सोच, बड़े कार्य तो बज़ट का दायरा भी बड़ा होगा। यब बात सीएम योगी ने विधानसभा में अपनी सरकार के कामकाज को गिनाते कही और साथ विपक्ष पर भी तंज कसा। सीएम योगी आदित्यनाथ प्रदेश की जीएसडीपी 5 वर्ष पहले 10-11 लाख करोड़ के आसपास थी आज हम इसे 20-21 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचें में सफल हुए हैं। 2015-16 में उत्तर प्रदेश देश अर्थव्यवस्था में 6 नंबर पर थे। उत्तर प्रदेश आज नंबर 2 की अर्थव्यवस्था बनी है। अपने संबोधन के दौरान योगी ने दावा किया कि यह पहली महामारी है जिसमें एक भी गरीब भूखा नहीं मरा। हमें महामारी को तो स्वीकार करना होगा नहीं तो बीमारी के उपचार के लिए और बीमारी से बचाव के लिए कोई अभियान आगे नहीं बढ़ पाएगा। व्यवसाय की सुगमता क्या होनी चाहिए इसपर हमने व्यापक संशोधन किए, नीतियां बनाई जिसके परिणाम सामने हैं। अगर दुनिया में भारत निवेश का सबसे अच्छा देश है, तो देश में उत्तर प्रदेश सबसे अच्छा गंतव्य है।

राहुल गांधी का PM मोदी पर हमला, कहा- गरीबी बढ़ा रही है सरकार

नेशनल डेस्क। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर देश में गरीबी बढ़ाने का आरोप लगाया और कहा कि 'न्याय' योजना लागू करके गरीबों को 6000 रुपये की मासिक मदद देने की जरूरत है। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में कहा, ''मोदी सरकार देश में बढ़ा रही है ग़रीबी। 13.4 करोड़ भारतीय 150 रुपये प्रति दिन से कम कमा रहे हैं। इन परिवारों को न्याय योजना के तहत 6000 रुपये महीना क्यों ना दिया जाए? कांग्रेस नेता ने 'प्यू रिसर्च सेंटर' का हवाला देते हुए एक चार्ट के माध्यम से यह दावा भी किया कि साल 2020 में छह करोड़ भारतीय नागरिकों की आय 150 रुपये प्रतिदिन की थी, लेकिन 2021 में यह संख्या बढ़कर 13.4 करोड़ हो गई है। गत लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी की अध्यक्षता में कांग्रेस ने न्यूनतम आय गारंटी योजना (न्याय) का वादा किया था।

नागरिकों की रक्षा की जिम्मेदारी चुनी हुई सरकार की होती है, प बंगाल सरकार इसमें रही विफल

-भाजपा ने कहा- चुनाव बाद हिंसा को लेकर हाईकोर्ट के फैसले पर ममता बनर्जी करें आत्मचिंतन

नई दिल्ली।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद हिंसा के संबंध में कलकत्ता उच्च न्यायालय की टिप्पणी को संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आत्मचिंतन' करना चाहिए। इसके पहले कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा के दौरान हुए हत्या एवं बलात्कार जैसे गंभीर मामलों की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने का आदेश दिया था। अदालत के फैसले के बाद पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने अदालत को फैसले को अहम बताते हुए कहा कि लोकतंत्र में अराजकता का कोई स्थान नहीं है और नागरिकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है। उन्होंने कहा, अदालत के फैसले का सारांश यही है कि नागरिकों की रक्षा की जिम्मेदारी चुनी हुई सरकार की होती है, यह कहना गलत नहीं होगा कि ममता बनर्जी इसमें विफल रहीं। उन्होंने कहा कि एक मुख्यमंत्री जब पद की शपथ व गोपनीयता को भूल जाता है और अराजक तत्वों के साथ खड़ा होता है तो अदालत नागरिकों के लिए सुरक्षा कवच बनकर सामने आती है।

अदालत की पांच सदस्यीय पीठ ने चुनाव के बाद कथित हिंसा के संबंध में अन्य आरोपों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन का भी आदेश दिया। पीठ ने कहा कि दोनों जांच अदालत की निगरानी में की जाएंगी। अदालत ने सीबीआई से छह सप्ताह में अपनी जांच रिपोर्ट पेश करने को कहा है। एसआईटी में महानिदेशक (दूरसंचार) सुमन बाला साहू, कोलकाता पुलिस आयुक्त सौमेन मित्रा और रणवीर कुमार जैसे आईपीएस अधिकारी होंगे। अदालत के फैसले का हवाला देते हुए भाटिया ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री राज्य की जनता को हिंसा से बचाने में विफल रहीं और फिर उन्हें न्याय भी नहीं दिला सकीं क्योंकि राज्य पुलिस ने प्राथमिकी तक दर्ज नहीं की।

उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री के लिए यह आत्मचिंतन का समय है। उम्मीद है कि उच्च न्यायालय के आदेश का संज्ञान लेते हुए वह आत्मचिंतन जरूर करेंगी और पीड़ितों को इंसाफ जरूर दिलाएंगी।'' उन्होंने कहा कि अदालत के फैसले से स्पष्ट होता है कि इन मामलों में जो आरोपी हैं वह सत्ताधारी दल के हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सेना में महिलाएं

महिलाओं के लिए एक और मार्ग प्रशस्त होने जा रहा है। देश की सर्वोच्च अदालत ने साफ कर दिया कि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) या भारतीय नौसेना अकादमी में प्रवेश से महिलाओं को वंचित नहीं किया जा सकता। यह फैसला कुश कालरा द्वारा दायर एक याचिका पर आया है, जो प्रतिष्ठित पुणे स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) और केरल स्थित भारतीय नौसेना अकादमी (आईएनए) में प्रवेश पाने के लिए महिलाओं के वास्ते समान अवसर की मांग कर रही हैं। अभी ये दोनों अकादमियां महिला कैडेट की भर्ती नहीं करती हैं। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और ह्रषिकेश रॉय की पीठ के समक्ष बुधवार को सुनवाई के लिए मामला आने पर केंद्र सरकार ने कहा कि महिलाओं के रोजगार के लिए जो रास्ते खोले गए हैं, उनमें उन्हें सशस्त्र बलों में समान अवसर दिया जा रहा है। केंद्र सरकार ने यह बताने की कोशिश की कि यह किसी भी मौलिक अधिकार का उल्लंघन नहीं है। हालांकि, यह बात साबित हो गई कि सेनाएं पुरुष और महिलाओं में भेद करती हैं। अब महिलाएं सैन्य अकादमियों की परीक्षा में बैठ सकेंगी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इस साल मार्च में याचिका पर नोटिस जारी किया था। कुश कालरा ने उचित ही कहा था, पात्र और इच्छुक महिला उम्मीदवारों को उनके लिंग के आधार पर (एनडीए और नौसेना अकादमी की) परीक्षाओं में बैठने की अनुमति नहीं है। इसमें कोई शक नहीं कि भेदभाव का यह कार्य समानता के सांविधानिक मूल्यों का अपमान है। कोई शक नहीं है कि महिलाओं ने अपने अधिकारों के लिए लंबे समय से संघर्ष किया है। हमारी सेनाओं में भी महिलाओं को अब पहले की तुलना में ज्यादा जगह मिल रही है। पहले उन्हें उच्च अधिकारी बनने का अधिकार हासिल नहीं था, लेकिन अगर हम नौसेना की बात करें, तो हलफनामे में कहा गया है कि नौसेना में चार शाखाएं हैं- कार्यकारी, इलेक्ट्रिकल, इंजीनियरिंग, शिक्षा और आज की तारीख में सभी शाखाओं में महिलाओं के प्रवेश की अनुमति देने के लिए प्रतिबंध हटा दिया गया है। हालांकि, जमीनी हकीकत यह है कि सेनाओं में महिलाओं की भर्ती के लिए कोई अलग से इंतजाम अभी तक नहीं किए गए हैं। पुरानी सोच हावी है। सेना को लोग पुरुषों का काम मानते हैं, जबकि बदलते दौर में सेना में महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही है। खासकर उन महिलाओं को सेना में आने से नहीं रोका जा सकता, जिनकी इच्छा है, जो सेना में आकर देश की सेवा करना चाहती हैं। सेना में महिलाओं की भर्ती पर किसी को आपत्ति नहीं रही है, लेकिन महत्वपूर्ण पदों पर महिलाओं को आगे आने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। यह मामला उदाहरण है कि सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद ही सेना में महिलाओं के सम्मान की बहाली हो पा रही है। उल्लेखनीय है कि कुश कालरा की याचिका के अलावा, अदालत इस शैक्षणिक वर्ष से देहरादून में राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज में लड़कियों के प्रवेश की मांग करने वाली कैलास उधवराव मोरे द्वारा दायर याचिका पर भी विचार कर रही है। यह कॉलेज रक्षा मंत्रालय द्वारा लड़कों के लिए चलाया जाता है। केंद्र सरकार को अभी इस याचिका पर जवाब देना है। बेशक, सेनाओं में महिलाओं को समान स्तर पर आने से रोकना अब मुमकिन या न्यायोचित नहीं है।

'आज के ट्वीट

प्रथम

हमारी सरकार का लक्ष्य है कि राजस्थान आईटी आधारित सुशासन में देश का प्रथम राज्य बनेः

-- मु. अशोक गहलोत

अफगानिस्तान में विश्व समुदाय की असफलता

– डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

अफगानिस्तान में बीस वर्षों की कवायद के बाद भी विश्व समुदाय समस्या के मूल को समझ नहीं सका। पाकिस्तान में शुरू से आतंकी तत्वों व संगठनों को संरक्षण व संवर्धन मिलता रहा है। इसी मानसिकता के लोग भारत विभाजन विभीषिका के जिम्मेदार थे। नाम व नेतृत्व बदलते रहे। लेकिन विचारधारा में कोई अंतर नहीं रहा। पाकिस्तान पर आतंकी मुल्क होने के कई बार आरोप लगते रहे लेकिन विश्व समुदाय ने उसपर नकेल कसने के प्रयास नहीं किया। अमेरिका के सैनिक बीस वर्षों तक अफगानिस्तान में रहे, लेकिन आतंकी समस्या का समाधान नहीं हुआ। इसी अवधि में पाकिस्तान की सहायता से तालिबान की ट्रेनिंग चलती रही। उनको हथियार उपलब्ध होते रहे। इसके लिए पाकिस्तान पर कार्रवाई की आवश्यकता थी। लेकिन विश्व समुदाय ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। तालिबान यहां ताकत बढ़ता रहा। अमेरिका के हटते ही उसने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया। जब अफगानिस्तान में अलकायदा कमजोर हुआ तो उसकी जगह तालिबान आ गया। भविष्य में इसकी जगह कोई अन्य संगठन आ सकता है। पाकिस्तान व अफगानिस्तान में ही दर्जनों आतंकी संगठन सक्रिय हैं। वस्तुतः यह सभी आतंकी विचारधारा की स्वभाविक उत्पत्ति हैं। अफगानिस्तान में आज की स्थिति कोई नई नहीं है। इतिहास में ऐसे उदाहरण भरे पड़े है। भारत विभाजन के समय भी ऐसा ही मंजर था। तब ट्रेन व बसों की जो दशा आज तस्वीरों में दिखाई देती है, वही स्थिति आज काबुल में हवाई जहाजों की है। इसके पहले हवाई जहाज पर ऐसी भीड़ कभी देखी नहीं गई। अनुमान लगाया जा सकता है कि वहां किस प्रकार लोग तालिबानी आतंक से भयभीत हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभाजन विभीषिका पर जो कहा,व ह बात आज के अफगानिस्तान पर लागू होती है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब से चौदह अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के तौर पर याद किया जाएगा। देश के बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता। नफरत और हिंसा की वजह से हमारे लाखों बहनों और भाइयों को विस्थापित होना पड़ा और अपनी जान तक गंवानी पड़ी। उन लोगों के संघर्ष और बलिदान की याद में चौदह अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मानने का निर्णय लिया गया है। यह दिन हमें भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म करने के लिए न केवल प्रेरित करेगा। इससे एकता, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाएं भी मजबूत होंगी। अफगानिस्तान में करीब दो दशक पहले भी तालिबानी शासन की स्थापना हुई थी। यह आतंकवादी शासन व्यवस्था थी। अमेरिका पर आतंकी हमला करना तालिबान पर भारी पड़ा। अमेरिका ने इस हमले का बदला लिया। नाटो देशों के साथ उसने अफगानिस्तान पर हमला किया था। इससे तालिबानी शासन का अंत हुआ। अमेरिका के सैनिक जबतक वहां रहे, काम चलाऊ संवैधानिक सरकार चलती रही। नए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाईडेन ने सैनिकों को वापस बुलाने का निर्णय लिया। तालिबान के लिए यह निर्णय वरदान साबित हुआ। उन्हें ज्यादा संघर्ष नहीं करना पड़ा। अफगानिस्तान के सैनिक अमेरिका पर निर्भर थे। उनके लौटने के बाद वह निराधार हो गए। तालिबानों का कब्जा होता गया। वहां के राष्ट्रपति भी पलायन कर गए। तालिबान कह रहे है कि लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने लोगों को आम माफी दी है। लेकिन तालिबान के आतंकी विचार को देखते हुए कोई उन पर विश्वास करने को तैयार नहीं है। पूरे अफगानिस्तान में भगदड़ और अराजकता व्याप्त है। लोग अपना घर जमीन छोड़कर पड़ोसी मुल्कों में भागने का प्रयास कर रहे है। अफगानिस्तान से रूसी सैनिकों की वापसी के बाद तालिबान ने अफगानिस्तान में अपना प्रभाव बढ़ाना शुरू किया था। इसकी शुरुआत उत्तरी पाकिस्तान में हुई थी। पाकिस्तान ही उनको हथियार उपलब्ध करा रहा है। सऊदी अरब से भी इनको आर्थिक सहायता मिलती रही है। इसके अलावा अमेरिका से पाकिस्तान को जो सहायता मिल रही थी, उसका उपयोग तालिबान जैसे संगठनों को मजबूत बनाने में हो रहा था। तालिबान इस्लामी धार्मिक शिक्षा के छात्र रहे हैं। वहीं से इनको प्रेरणा मिलती रही है। पाकिस्तान के कट्टर सुन्नी इस्लामी विद्वानों ने धार्मिक संस्थाओं के सहयोग से पाकिस्तान में इनको शिक्षित व प्रशिक्षित किया। इसपर देवबंदी विचारधारा का पूरा प्रभाव है। नब्बे के दशक में अफगानिस्तान पर रूस का प्रभाव था। वहां के तत्कालीन राष्ट्रपति रूस के कृपापात्र थे। अमेरिका ने रूस के हस्तक्षेप को समाप्त करने के लिए तालिबान को आगे बढ़ाया था। लेकिन जब इस्लामी आतंकियों ने अमेरिका पर हमला किया, तब उसकी आंख खुली। उसने अफगानिस्तान से तालिबान शासन को समाप्त करने के लिए हमला किया। इसमें सफलता मिली। किंतु पाकिस्तान से लगने वाली सीमा व अन्य कबाइली इलाकों से तालिबान को समाप्त करने में अमेरिका सफल नहीं हुआ। पाकिस्तान उन्हें संरक्षण देता रहा। जबकि इसके शीर्ष नेता मुल्ला उमर और फिर मुल्ला मुख्तर मंसूर की अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए थे। लेकिन तालिबान इससे कमजोर नहीं हुए। हिब्तुल्लाह अखुंजादा की कमांड में उनकी गतिविधियां चलती रही। पाकिस्तान की सेना और आईएसआई की सहायता से तालिबान मजबूत होता गया। दो वर्ष पूर्व अमेरिका ने तालिबान से शांति वार्ता शुरू की और दोहा में कई राउंड की बातचीत भी हुई। तालिबान वार्ता में शामिल हुए। लेकिन उसने अपनी हिंसक तैयारियों में कमी नहीं की। कई क्षेत्रों में वह कब्जा भी जमा रहा था। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने इस वर्ष सितंबर तक अमेरिकी सैनिकों की पूरी तरह से वापसी का ऐलान किया था। अगस्त में ही इसका असर दिखाई देने लगा। अफगानिस्तान के सैनिक पीछे हटते गए और तालिबान अफगानिस्तान पर कब्जा जमाता गया। अफगानिस्तान में पिछले शासन के दौरान तालिबान ने पूरे देश में शरिया कानून लागू किया था। उल्लंघन करने वालों को इसी कानून के अनुरूप सार्वजनिक सजा दी जाती है। बामियान में बुद्ध की ऐतिहासिक मूर्ति का विध्वंस कर दिया था। पाकिस्तान, सऊदी अरब और यूएई ने इस आतंकी शासन को मान्यता दी थी। अब तालिबान शासन अधिक देशों से मान्यता प्राप्त करना चाहता है। उसके आम माफी व महिलाओं के संबन्ध में दिया गया बयान इसी रणनीति का हिस्सा है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

आनंद

जग्गी वासुदेव

आनंद को किसी योग्यता की तरह मत देखिए। अगर यह जीवन समृद्ध होना है तो यह उसके लिए एक मूल माहौल है। यदि वृक्षों को बढ़ना है और उन पर फल-फूल आने हैं तो हमें मिट्टी को उपजाऊ रखना होगा। यह एक मूल आवश्यकता है। इसी तरह, सिर्फ यदि आप एक सुखद, खुशनुमा अनुभव की अवस्था में हैं तो ही आप बड़ी चीजें खोज पाएंगे अन्यथा आप हर समय अपने लिए सीमाएं बनाने का ही प्रयत्न कर रहे हैं। आप सिर्फ छोटी चीजें करना चाहते हैं, उसके आगे कुछ भी नहीं। जब आप के अंदर पीड़ा है तो कुछ भी बड़ा नहीं खोजेंगे। जब तक आप सिर्फ पीड़ा बनाने के योग्य हैं तब तक आप अपने आप को अपंग बना रहे हैं। पीड़ा का डर आप को सीमित रखेगा,'क्या होगा'? पर,'कुछ भी हो, मैं बस जानना चाहता हूं-इस तरह का पागलपन होने के लिए यह जरूरी है कि आप भरे-पूरे हों, जीवंत हों। इसको वे लोग पागलपन कहते हैं जो जड़बुद्धि हैं पर सिर्फ ऐसे पागल लोगों के कारण ही विज्ञान, साहसी कार्य, भूगोल आदि संभव हुए हैं। इस धरती पर भूगोल की खोज, अंतरिक्ष का ज्ञान, हर तरह की तकनीकें, ये सब इसलिए घटित हुई क्योंकि कोई ऐसा था, जो अपने आराम को छोड़ने के लिए तैयार था। ऐसे लोग कष्ट भोगने के लिए तैयार थे, क्योंकि वे अपने अस्तित्व की सीमाओं से परे को जानने की पूर्णता और उससे मिलने वाले परमानंद को पाना चाहते थे। उतनी भूख आप के भीतर तभी आ सकती है जब आप कुछ वर्षों तक स्वाभाविक आनंदपूर्ण अवस्था में रहें और समझें कि वास्तव में आप चाहे जो कर रहे हों-छोटी चीजें, जिनके बारे में लोग इतना बड़ा हौवा खड़ा कर रहे हैं, जैसे नौकरी पाना, काम करना, घर बनाना, शादी करना, दो बच्चे पैदा करना-ये सब कोई बड़ी उपलब्धियां नहीं हैं। सभी प्राणी यही कर रहे हैं। एक चिड़िया भी घोंसला बनाती है, अंडे देती है, बच्चों का पालन करती है, उन्हें खिलाती है, बड़ा करती है और फिर 15 दिनों में वे उड़ जाते हैं। आप इसके बारे में इतना बड़ा नाटक करते हैं। मानवता के इतिहास में पहली बार आज हमारे जीवित रहने की प्रक्रिया इतनी व्यवस्थित है, जितनी पहले कभी नहीं थी। तो अब यह समय रहस्यवाद के लिए है। यह वो समय है, जब लोगों को अपनी सीमाओं से बाहर आ कर, इसके परे क्या है, उसकी खोज करनी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

स्पोर्ट्स के क्षेत्र में भारत के युवाओं का भविष्य

– रंजना मिश्रा

भारत में माता-पिता अपने बच्चों को मैथ्स और साइंस पढ़ाना चाहते हैं। डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस अफसर बनाना चाहते हैं पर स्पोर्ट्स में भेजने से कतराते हैं। हम अपने देश के लिए मेडल्स तो चाहते हैं पर अपने बच्चों को संघर्ष की भट्ठी में तपाना नहीं चाहते क्योंकि इसमें रिस्क बहुत है। लोगों को हमारे देश के स्पोर्टिंग कल्चर में विश्वास ही नहीं है। सच पूछिए तो हमारे देश में स्पोर्टिंग कल्चर है ही नहीं। हम खेलों वाला देश बन ही नहीं पाए हैं अबतक। हमारे देश ने अबतक के 29 ओलंपिक गेम्स में केवल 35 मेडल जीते हैं। यह संख्या भी गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज़ तीनों को मिलाकर है। इनमें सात मेडल भारत ने इसबार जीते हैं, जबकि अमेरिका ने इसबार के खेलों में ही अकेले 39 गोल्ड मेडल जीते हैं और कुल मिलाकर 113 मेडल्स के साथ इसबार की मेडल टैली में पहले नंबर पर है। चीन दूसरे नंबर पर रहा, उसने 88 मेडल जीते, जिनमें 38 गोल्ड मेडल हैं यानी अमेरिका से केवल एक गोल्ड मेडल कम और जापान तीसरे स्थान पर है जिसने 58 मेडल जीते हैं। जापान की कुल आबादी साढ़े बारह करोड़ है यानी उत्तर प्रदेश की आबादी से आधी आबादी है, लेकिन एक छोटा देश होते हुए भी ओलंपिक खेलों में उसका प्रदर्शन कई बड़े-बड़े देशों से अच्छा है, इसकी सबसे बड़ी वजह है वहां का स्पोर्टिंग कल्चर। हमारे देश में युवाओं को स्पोर्ट्स के क्षेत्र में भी अपने कदम आगे बढ़ाने होंगे और सफलताओं के शीर्ष को छूने के लिए कठिन संघर्ष करना पड़ेगा, तभी हम सात नहीं बल्कि कम से कम 70 मेडल अपने देश में लाने में कामयाब हो पाएंगे। टोक्यो ओलंपिक में हमारे खिलाड़ियों का जैसा प्रदर्शन रहा उससे यह उम्मीद तो लगाई जा सकती है कि आगे हम और अधिक अच्छा प्रदर्शन करने और मेडल्स जीतने में कामयाब रहेंगे। हमारे युवाओं को स्पोर्ट्स क्षेत्र में अधिक से अधिक संख्या में आना चाहिए और कठिन संघर्ष करके, कड़ी मेहनत करके उन्हें अपने परफार्मेंस को बेहतर बनाना चाहिए। टोक्यो ओलंपिक्स भारत के लिए हमेशा बहुत खास रहेगा क्योंकि भारत ने पहली बार एथलेटिक्स में गोल्ड मेडल जीता है और यह सपना नीरज चोपड़ा ने पूरा किया। आज नीरज चोपड़ा की चर्चा पूरे देश में जोर-शोर से है। नीरज चोपड़ा ने आज जो काम किया है इससे पहले कोई और नहीं कर पाया। वह भारत के नए पोस्टर ब्वॉय बन गए हैं। नीरज चोपड़ा ने इसके लिए कई त्याग भी किए, उन्हें लंबे बालों का शौक था लेकिन खेलने में दिक्कत आने पर उन्होंने उन्हें कटवा दिया, ओलंपिक में आने से पहले वे 1 साल तक सोशल मीडिया से पूरी तरह से दूर रहे, ताकि वो अपने खेल पर पूरा ध्यान लगा सकें। ओलंपिक खेलों के पिछले 121 वर्षों के इतिहास में भारत ने इस बार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर नया इतिहास रच दिया है। इसबार भारत ने एक गोल्ड, 2 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज़ मेडल जीते हैं। टोक्यो ओलंपिक खेलों में भारत के 127 खिलाड़ियों में से 55 खिलाड़ी ऐसे रहे जिन्होंने क्वार्टर फाइनल और उसके बाद के मुकाबलों में प्रवेश किया, इनमें से अकेले 43 खिलाड़ी ऐसे थे जो सेमीफाइनल तक पहुंचे, इनमें पुरुष और महिला हॉकी टीम भी शामिल हैं, इसके अलावा पांच खिलाड़ी व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा में गोल्ड मेडल के लिए फाइनल मुकाबलों में पहुंचे यानी कई बार तो ऐसा लगा कि हम गोल्ड और सिल्वर मेडल को छूकर वापस आ गए। कहा जा सकता है कि कुल 33 खेलों में से 5 खेलों में भारत को गोल्ड मेडल मिल सकता था, यह एक गोल्ड मेडल भी 13 वर्षों के बाद आया है। अगर भारत के खिलाड़ी इन सभी फाइनल मुकाबलों में जीत जाते तो भारत ओलंपिक खेलों की मेडल टैली में 48 वें नंबर के स्थान पर नहीं बल्कि पूरी दुनिया में सत्रहवें स्थान पर होता। पर अभी तो यह कल्पना करना भी बहुत मुश्किल है। हालांकि फाइनल मुकाबलों में भारत की एंट्री इस बात का संकेत है कि आने वाले ओलंपिक खेलों में हमें और ज्यादा मेडल मिल सकते हैं। 2016 के रियो ओलंपिक में भारत ने अपने 117 खिलाड़ी भेजे थे, जिनमें केवल 20 खिलाड़ी ही क्वार्टर फाइनल या उसके बाद के मुकाबलों में पहुंच पाए लेकिन अबकी बार यह संख्या 20 से सीधे 55 हो गई यानी दुगुने से भी अधिक। इसबार भारत ने 33 खेलों में से 18 खेलों में हिस्सा लिया और 41 वर्षों के बाद भारत मेडल जीतने वाले टॉप 50 देशों में शामिल है। हालांकि 135 करोड़ लोगों के इस देश में क्या केवल 7 मेडल्स से संतोष किया जा सकता है ? हम जनसंख्या के मामले में चीन के बाद पूरी दुनिया में दूसरे नंबर पर हैं लेकिन मेडल के मामले में 48 वें नंबर पर। हमें इस गैप को भरना ही होगा और अपने युवाओं को इसके लिए तैयार करना होगा। इसके लिए माता-पिता से लेकर स्कूल-कॉलेजों और बड़े स्तर तक तैयारी करनी होगी। सरकार को पूरा सपोर्ट करना होगा, खेलों और खिलाड़ियों पर सरकार को पूरा ध्यान देना होगा और अपना बजट इसके लिए बड़ा करना होगा तभी हमारे देश में खेलों की स्थिति सुधर सकती है। इसबार भले ही हमने 2016 के रियो ओलंपिक्स की तुलना में 5 मेडल ज्यादा जीते हैं लेकिन ओलंपिक खेलों में भारत का प्रदर्शन काफी ऊपर-नीचे होता रहा है। 2012 के लंदन ओलंपिक में भारत ने 6 मेडल जीते थे और 2008 के बीजिंग ओलंपिक्स में हमें तीन मेडल्स मिले थे लेकिन यह प्रदर्शन बाद में बरकरार नहीं रह पाए। हमारे देश को इस से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है और अधिक तैयारी करने की जरूरत है। युवाओं में खेलों की रुचि को बढ़ाना होगा, पढ़ाई के साथ-साथ उन्हें खेलों पर भी ध्यान देना होगा और कैरियर के रूप में वह स्पोर्ट्स के क्षेत्र को अधिक से अधिक चुनें, इसके लिए उनमें जागरूकता पैदा करनी होगी तभी हमारे देश के युवा पढ़ाई और तकनीक के साथ-साथ खेलों में भी अपना परचम लहरा पाएंगे। सरकार को कुछ ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए ताकि लोग यह न डरें कि यदि उनके बच्चे स्पोर्ट्स के क्षेत्र में कैरियर न बना पाए तो कहीं के नहीं रह जाएंगे। युवाओं को माता-पिता, शिक्षकों और सरकारी व्यवस्थाओं के द्वारा प्रोत्साहन व खेलों के लिए जरूरी सुख-सुविधाएं मिलने की बहुत आवश्यकता है, तभी हम खेलों के क्षेत्र में चीन, जापान और अमेरिका जैसे देशों के करीब पहुंच पाएंगे।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टाटा स्टील ने 2020-21 के लिए 270.28 करोड़ रुपए के वार्षिक बोनस का किया ऐलान

बिजनेस डेस्क: निजी क्षेत्र की इस्पात कंपनी टाटा स्टील ने कहा है कि वह अपने कर्मचारियों को वित्त वर्ष 2020-2021 के लिए वार्षिक बोनस के रूप में कुल 270.28 करोड़ रुपए का भुगतान करेगी। कंपनी द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि 2020-2021 के वार्षिक बोनस के भुगतान के लिए टाटा स्टील और टाटा वर्कर्स यूनियन के बीच बुधवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। कंपनी के सभी लागू प्रभागों या इकाइयों के पात्र कर्मचारियों के लिए कुल 270.28 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाएगा। न्यूनतम देय बोनस 34,920 रुपए और अधिकतम बोनस 3,59,029 रुपए होगा। टाटा स्टील और टिस्को मजदूर यूनियन के बीच बुधवार को एक और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ग्रोथ शॉप के लिए वार्षिक बोनस लगभग 3.24 करोड़ रुपए है।

सैमसंग ने अपने स्मार्टफोन से विज्ञापन हटाने का लिया निर्णय

सियोल। दक्षिण कोरियाई टेक दिग्गज सैमसंग ने इसकी पुष्टि की है कि वह सैमसंग वेदर, सैमसंग पे और सैमसंग थीम सहित डिफॉल्ट ऐप्स में विज्ञापन को दिखाना बंद कर देगी। द वर्ज के अनुसार, यह अपने मोबाइल प्रमुख टीएम रोह द्वारा एक आंतरिक टाउन हॉल बैठक में की गई टिप्पणियों का अनुसरण करता है। कंपनी ने टेक वेबसाइट को दिए एक बयान में कहा, सैमसंग ने सैमसंग वेदर, सैमसंग पे और सैमसंग थीम सहित मालिकाना ऐप पर विज्ञापन बंद करने का फैसला किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अपडेट इस साल के अंत तक तैयार हो जाएगा। कंपनी ने कहा, हमारी प्राथमिकता अपने उपभोक्ताओं को उनकी जरूरतों और चाहतों के आधार पर अभिनव मोबाइल अनुभव प्रदान करना है। यह भी कहा, हम अपने उपयोगकताओं से फीडबैक को महत्व देते हैं और अपने गैलेक्सी उत्पादों और सेवाओं से उन्हें सर्वोत्तम संभव अनुभव प्रदान करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जारी रखते हैं। कंपनी ने अपने सॉफ्टवेयर से विज्ञापनों को कब हटाया जाएगा, इसके लिए कोई विशिष्ट तिथि साझा नहीं की, लेकिन समाचार एजेंसी योनहाप ने पहले बताया कि यह परिवर्तन आगामी वन यूआई सॉफ्टवेयर अपडेट के माध्यम से किया जाएगा। स्मार्टफोन के मोर्चे पर, कंपनी ने गैलेक्सी जेड फोल्ड 5जी (फोल्डेबल पर पहली बार र पेन सपोर्ट के साथ) और गैलेक्सी जेड फिल्पी3 5जी डिवाइस वैश्विक स्तर पर लॉन्च किए हैं, जो अगले महीने से भारत में प्रीमियम सेगमेंट में बहुत प्रतिस्पर्धी मूल्य पर उपलब्ध होंगे।

गूगल जल्द ही कैलेंडर ग्रिड को करेगा रोलआउट

सैन फ्रांसिस्को। टेक दिग्गज गूगल ला रहा है एक नया फीचर जो कथित तौर पर यूजर्स को कैलेंडर में दिन-प्रतिदिन के स्थान को शेयर करने की अनुमति देगा। 9टू5 गूगल के अनुसार, गूगल कैलेंडर आपको पहले से ही काम के घंटे निर्दिष्ट करने देता है और इस साल की शुरूआत में, इसने स्प्लिट शेड्यूल के लिए समर्थन जोड़ा है।कंपनी ने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, 30 अगस्त, 2021 से, आप सीधे अपने कैलेंडर पर पॉइंटेड कर पाएंगे कि आप कहां से काम कर रहे हैं। आप साप्ताहिक कार्य स्थान दिनचर्या जोड़ सकते हैं और योजनाओं में बदलाव के रूप में अपना स्थान अपडेट कर सकते हैं। यह आप पर निर्भर करता है कि क्या आप कार्यस्थल को सक्षम करना चाहते हैं। ताकि दूसरों को पता चले कि आप कहां काम कर रहे हैं, जब वे आपको किसी कार्यक्रम में आमंत्रित करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस सुविधा का लक्ष्य व्यक्तिगत सहयोग की योजना बनाना या अपेक्षाओं को निर्धारित करना आसान बनाएगी । दिन और घंटे की सूची के आगे, कार्यालय, घर, अनिर्दिष्ट, या कहीं और से चुनने के लिए एक ड्रॉपडाउन होगा। कैलेंडर ग्रिड पर, स्थान सप्ताह दृश्य और दिन भर के ईवेंट में दिन और तारीख के बीच में दिखाई देगा। मुख्य स्क्रीन आपको अपना स्थान अपडेट करने देगा।

भारत पेरिस समझौते के लक्ष्यों को पूरा करने वाले चुनिंदा जी20 देशों में शामिलः सीतारमण

नई दिल्ली (एजेंसी):

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि भारत जी20 के उन चुनिंदा देशों में शामिल है जो कि जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी), पेरिस समझौते के लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और जिन देशों ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए निर्णायक कार्रवाई की है। उन्होंने कान्फ्रेंस ऑफ पार्टीज के 26वें सत्र (सीओपी 26) के नामित अध्यक्ष आलोक शर्मा के साथ बैठक में कहा कि सरकार 2030 तक 450 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य पर अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए ठोस कदम उठा रही है और सराहनीय गति से काम कर रही है। उन्होंने बताया कि अक्षय ऊर्जा का 100 गीगावाट पहले ही हासिल किया जा चुका है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सीतारमण ने अन्य महत्वपूर्ण कदमो में हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन पर किए गए व्यापक कार्यों के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने 26वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन और विशेष रूप से सीओपी 26 से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की। ब्रिटेन इस साल नवंबर में अंतरराष्ट्रीय जलवायु सम्मेलन सीओपी- 26 की मेजबानी करेगा। वित्त मंत्री ने इस दौरान उम्मीद जताई कि विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों को प्रति वर्ष 100 अरब डॉलर प्रदान करने की प्रतिबद्धता हासिल की जायेगी। उन्होंने सीओपी-26 में वित्त पर नये सामूहिक लक्ष्य को लेकर सकारात्मक परिणाम सामने आने की उम्मीद भी जताई। पेरिस समझौता जलवायु परिवर्तन पर कानूनी रूप से एक बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय संधि है। इसे 12 दिसंबर, 2015 को पेरिस में सीओपी 21 में 196 देशों द्वारा अपनाया गया था और 4 नवंबर, 2016 को लागू किया गया था।

महिलाओं की अधिक वित्तीय भागीदारी के लिए अधिक अनुकूल वित्तीय प्रणाली की जरुरतः कांत

मुंबईः नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने बुधवार को कहा कि महिलाओं की वित्तीय क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाने के लिए एक अधिक महिला अनुकूल -समावेशी वित्तीय प्रणाली की आवश्यकता है जो उनके सामने आने वाली मांग और आपूर्ति की बाधाओं को दूर कर सके। उन्होंने कहा कि बहु-हितधारक और भागीदारी वाला नेतृत्व डिजिटल वित्तीय समावेशन में अधिक महिलाओं को शामिल करने के अंतर की समस्या को दूर कर सकता है। कांत ने कहा, ''अधिक संख्या में महिलाओं की वित्तीय भागेदारी को बढ़ाने के लिए एक अधिक महिला अनुकूल समावेशी वित्तीय प्रणाली की आवश्यकता है। जो महिलाओं के सामने आने वाली विशिष्ट मांग और आपूर्ति की अड़चनों का समाधान का सके।'' आयोग के सीईओ ने 'द पावर ऑफ जन धनः मेकिंग फाइनेंस वर्क फॉर वीमेन इन इंडिया' शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी करने के दौरान यह बात कही। इस रिपोर्ट का अनावरण बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) और महिलाओं की विश्व बैंकिंग द्वारा किया गया जो एक वैश्विक गैर-लाभकारी संस्था है। उन्होंने कहा कि इस तरह के समाधानों की पहुंच में सुधार और विस्तार करने से महिलाएं अधिक सुविधाजनक ढंग से वित्तीय सेवाओं का उपयोग कर सकेंगी।

भारत सरकार का आईटी खर्च 2022 में 8.6 प्रतिशत बढ़ेगा

मुंबईः वैश्विक सलाहकार फर्म गार्टनर ने गुरुवार को कहा कि वर्ष 2022 में सरकार द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी पर खर्च 8.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जिसमें मौजूदा 2021 के दौरान 13.2 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। गार्टनर की वरिष्ठ प्रमुख शोध विश्लेषक अपेक्षा कौशिक ने कहा, ''वैश्विक महामारी के कारण भारत सरकार के संगठनों के डिजिटलीकरण की पहल ने 2020 में एक बड़ी छलांग लगाई। महामारी ने सरकार को अपनी प्राथमिकताएं बदलने के लिए मजबूर किया। उन्होंने कहा कि पूरे देश में टीकाकरण की दर बढ़ने के साथ ही सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है और सरकारें डिजिटलीकरण के प्रयासों को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करती रहेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक सॉफ्टवेयर पर खर्च 2022 में 24.7 प्रतिशत बढ़कर 182.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो जाएगा, जबकि डेटा सेंटर के खर्च में बढ़ोतरी घटेगी और इसके 2.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। गार्टनर ने आगे कहा कि दूरसंचार सेवाओं पर कुल खर्च में एक प्रतिशत की गिरावट होने का अनुमान है।

ग्रामीण इलाकों में रोजाना के इस्तेमाल की चीजों की बिक्री 24प्रतिशत बढ़ी

(एजेंसी):

देश में कोरोना के मामले घटने के बाद अब ग्रामीण इलाके में रोजाना के इस्तेमाल की चीजों की बिक्री बढ़ गई है। जून 2021 की तुलना में जुलाई 2021 में फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स की बिक्री में काफी तेजी आई है। देश भर में कोरोना के नए मामलों की स्थिति में सुधार है और मॉनसून बेहतर रहने की वजह से ग्रामीण इलाके के लोगों की आमदनी बढ़ने की उम्मीद है। जून में रोजाना के इस्तेमाल वाली चीजों की ग्रोथ रेट शहरों में बेहतर थी लेकिन ग्रामीण इलाके में कमजोर रही थी। पिछले महीने ग्रामीण बाजारों में बिक्री 24 फीसदी बढ़ी, जबकि शहरी बिक्री जून से 14% बढ़ी है। देश भर में 75 लाख खुदरा दुकान के आंकड़ों पर नजर रखने वाली बिजकॉम के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

ग्रामीण विकास में 33 फीसदी वृद्धि

लॉकडाउन के दौरान घर लौटने वाले प्रवासी श्रमिकों के कारण गांवों में इस साल दूसरी कोविड लहर के दौरान संक्रमण में वृद्धि देखी गई। इससे ग्रामीण विकास में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि मई से जून में शहरों में 64 प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारत के सबसे बड़े बिस्कुट निर्माता पारले प्रोडक्ट्स के वरिष्ठ श्रेणी प्रमुख कृष्णराव बुद्ध कहते हैं कि अप्रैल और मई में ग्रामीण चैनल अव्यवस्थित थे क्योंकि वितरक और बिक्री कर्मचारी भी कोविड के मामलों की चपेट में थे। हालांकि हमने मांग में क्रमिक सुधार देखा है क्योंकि जुलाई जून की तुलना में बेहतर है और चालू महीने में और भी बेहतर वृद्धि दर्ज की गई है।

दुकानों में वापिस लौटे उपभोक्ता

बिजोम के मालिक मोबिसी टेक्नोलॉजीज के ग्रोथ एंड इनसाइट्स के प्रमुख अक्षय डिसूजा का कहना है कि जुलाई में हमने कमोडिटी उत्पादों के लिए मजबूत कर्षण देखा क्योंकि ग्रामीण बाजारों में प्रतिबंधों में ढील के साथ अधिक किराना खुल गए। इनमें से कई ने खाद्य तेलों जैसे जिंसों पर आक्रामक रूप से स्टॉक किया क्योंकि उपभोक्ता वापस दुकानों में लौट आए। मैरिको के एम.डी. सौगत गुप्ता ने बताया कि निवेशकों को बताया अप्रैल के उत्तरार्ध में कोविड के मामलों की खतरनाक वृद्धि से एफएमसीजी बाजार की वसूली ठप हो गई थी। पहली लहर के विपरीत, इसने ग्रामीण क्षेत्रों को भी प्रभावित किया। मैरिको ने अपनी कमाई कॉल में कहा कि दूसरी लहर के दौरान एकमात्र अंतर ग्रामीण था, खासकर दक्षिणी बाजार प्रभावित हुए थे।

RBI ने बदले बैंक लॉकर के नियम, अब नुकसान की जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकते हैं बैंक

मुंबई (एजेंसी):

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंक लॉकर किराए पर लेने से संबंधित दिशानिर्देशों में संशोधन किया है। नए दिशानिर्देशों के तहत आग लगने की घटना, चोरी, इमारत ढहने तथा बैंक कर्मचारियों द्वारा धोखाधड़ी के मामलों में लॉकर को लेकर बैंक का दायित्व उसके सालाना किराए के 100 गुना तक सीमित रहेगा। लॉकरों के बारे में संशोधित दिशानिर्देश एक जनवरी, 2022 से लागू होंगे। बैंकों को लॉकर करार में एक प्रावधान शामिल करना होगा जिसमें तहत लॉकर किराये पर लेने वाला व्यक्ति उसमें कोई भी गैरकानूनी या खतरनाक सामान नहीं रख सकेगा। रिजर्व बैंक ने कहा कि उसने बैंकिंग और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में विभिन्न घटनाक्रमों, उपभोक्ता शिकायत की प्रकृति और बैंकों और इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर 'बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली जमा लॉकर/सुरक्षित अभिरक्षा सामान सुविधा% की समीक्षा की है। इसके अलावा उच्चतम न्यायालय में अमिताभ दासगुप्ता विरुद्ध यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया के मामले के आधार पर उभरे सिद्धान्तों के अनुरूप भी इसकी समीक्षा की गई है। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि संशोधित निर्देश नए और मौजूदा सुरक्षित जमा लॉकरों तथा सुरक्षित सामान अभिरक्षा सुविधा के लिए लागू होंगे। रिजर्व बैंक ने कहा कि बैंकों को शाखावार खाली लॉकरों की सूची बनानी होगी। साथ ही उन्हें लॉकरों के आवंटन के उद्देश्य से उनकी इंतजार सूची की जानकारी कोर बैंकिंग प्रणाली (सीबीएस) या साइबर सुरक्षा ढांचे के अनुपालन वाली किसी अन्य कंप्यूटरीकृत प्रणाली में डालनी होगी। बैंकों को लॉकरों के आवंटन में पारदर्शिता सुनिश्चित करनी होगी। निर्देश में कहा गया है कि बैंकों को लॉकर आवंटन के सभी आवेदनों के लिए पावती या रिसीट देनी होगी। यदि लॉकर उपलब्ध नहीं है, तो बैंकों को उपभोक्ताओं को इंतजार सूची (वेट लिस्ट) का नंबर देना होगा। इसके अलावा बैंकों को आईबीए द्वारा तैयार किए जाने वाले आदर्श मॉडल करार को भी अपनाना होगा। रिजर्व बैंक ने संशोधित निर्देशों में बैंकों के लिए मुआवजा नीति और देनदारी का भी विस्तार से उल्लेख किया है। बैंकों को अपने बोर्ड द्वारा मंजूर ऐसी नीति को लागू करना होगा जिसमें लापरवाही की वजह से लॉकर में रखे सामान को लेकर उनकी जिम्मेदारी तय की जा सके। रिजर्व बैंक ने कहा है कि प्राकृतिक आपदा या 'एक्ट ऑफ गॉड% यानी भूकंप, बाढ़, आकाशीय बिजली या आंधी-तूफान की स्थिति में बैंक किसी नुकसान के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। हालांकि, बैंकों को अपने परिसर को इस तरह की आपदाओं से बचाने के लिए उचित इंतजाम करने की जरूरत होगी। इसके अलावा जिस परिसर में सुरक्षित जमा लॉकर हैं, उसकी सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी बैंक की होगी। निर्देश में कहा गया है कि आग, चोरी, डकैती या सेंधमारी की स्थिति में बैंक अपने दायित्व से नहीं हट सकता। ऐसे मामलों में बैंक का दायित लॉकर के वार्षिक किराये का सौ गुना तक होगा।

चीन की सरकारी कंपनी ने बाइटडांस और वीबो चैट में निवेश किया

(एजेंसी):

चीन की सरकार ने देश की दो प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों- वीडियो ऐप टिकटॉक का स्वामित्व रखने वाली बाइटडांस और चैट ऐप वीबो में निवेश किया है। माना जा रहा है कि चीन में तेजी से बढ़ते प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर प्रभाव बढ़ाने के इरादे से यह निवेश किया गया है। सार्वजनिक सरकारी रिकॉर्ड और कॉरपोरेट सूचना मंच किचाचा के अनुसार अप्रैल में बाइटडांस ने अपनी चीनी सहायक कंपनी बीजिंग बाइटडांस टेक्नोलॉजी में एक प्रतिशत हिस्सेदारी सार्वजनिक क्षेत्र की फर्म वांगटौझोंगवेन (बीजिंग) टेक्नोलॉजी को बेच दी। वांगटौझोंगवेन का स्वामित्व चीन की तीन सरकारी संस्थाओं के पास है। अमेरिकी प्रौद्योगिकी वेबसाइट 'द इंफॉर्मेशन' ने पहले बताया था कि सौदे के हिस्से के रूप में बाइटडांस ने एक चीनी सरकारी अधिकारी को बोर्ड में जगह भी दी है। बाइटडांस के प्रवक्ता ने निवेश और बोर्ड में जगह देने के बारे में सवालों के जवाब देने से इनकार कर दिया। इस बीच वीबो, जो नैस्डैक पर सूचीबद्ध है, ने अमेरिकी शेयर बाजार को बताया कि वांगटोटौंगडा (बीजिंग) टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड नाम की एक इकाई ने लगभग 1.07 करोड़ युवान का निवेश किया। यह कंपनी वांगटौझोंगवेन (बीजिंग) टेक्नोलॉजी से जुड़ी है। इस सौदे के तहत वीबो की चीनी सहायक कंपनी में एक प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की गई है।

आवासीय बिक्री 2021 में 30प्रतिशत बढ़ सकती है, कोविड-पूर्व स्तर तक पहुंचने में लगेगा वक्त

नई दिल्ली (एजेंसी):

संपत्ति सलाहकार एनारॉक के अनुसार 2021 में सात प्रमुख शहरों में आवासीय बिक्री 30 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.8 लाख इकाई हो सकती है लेकिन इसके अभी भी कोविड-पूर्व स्तर तक पहुंचने में वक्त लगेगा। एनारॉक के शोध के अनुसार 2021 में सात शहरों में आवासीय बिक्री वार्षिक आधार पर 30 प्रतिशत बढ़कर 1,79,527 इकाई होने की उम्मीद है, जो पिछले साल 1,38,344 इकाई थी। इससे पहले 2019 में सात शहरों- दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगरीय क्षेत्र (एमएमआर), पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता में आवासीय बिक्री 2,61,358 इकाई थी। सलाहकार ने यह भी अनुमान लगाया कि बिक्री 2022 में 2,64,625 इकाई और 2023 में 3,17,550 इकाई तक बढ़ सकती है। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, आवासीय क्षेत्र 2017 से 2019 के बीच वार्षिक आधार पर अच्छी बढ़त दिखा रहा था लेकिन कोविड-19 महामारी के चलते यह हालात पटल गए। अगर ऐसा नहीं होता तो 2020 आवासीय क्षेत्र के लिए एक बेहतरीन साल होता। एनारॉक ने कहा कि पिछले साल के मुकाबले 2021 में आवासीय पेशकश में 35 प्रतिशत बढ़ोतरी होने की उम्मीद है, जबकि इस दौरान बिक्री 30 प्रतिशत तक बढ़ सकती है।

2021-22 की पहली तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क का भुगतान किया: वोडाफोन आइडिया

नई दिल्ली (एजेंसी):

वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) ने गुरुवार को कहा कि उसने 2021-22 की पहली तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क का भुगतान कर दिया है। इससे पहले खबर आई थी कि वीआईएल द्वारा जून तिमाही के लिए चुकाया गया लाइसेंस शुल्क 150 करोड़ रुपए कम था। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, ''वीआईएल ने पहली तिमाही 2021-22 के लिए अपने लाइसेंस शुल्क का भुगतान कर दिया है।'' बयान में अधिक विवरण नहीं दिया गया। वीआईएल अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है और कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी की पहली तिमाही की आय तथा शनिवार को घोषित जून तिमाही के परिचालन मेट्रिक्स ने विश्लेषकों को निराश किया। दूरसंचार कंपनी द्वारा जारी पहली तिमाही के परिणाम के अनुसार 30 जून 2021 तक वीआईएल का कुल सकल ऋण (पट्टे की देनदारियों को छोड़कर और ब्याज सहित लेकिन बकाया नहीं) 1,91,590 करोड़ रुपए था। इसमें स्पेक्ट्रम भुगतान देनदारी के 1,06,010 करोड़ रुपए और समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) देनदारी के 62,180 करोड़ रुपए शामिल हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था महामारी-पूर्व के स्तर की ओर सामान्य हो रही हैः कुमार मंगलम बिड़ला

नई दिल्ली (एजेंसी):

उद्योगपति कुमार मंगलम बिड़ला ने बुधवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था कोविड-19 की तीसरी लहर की आशंका के कारण उत्पन्न अनिश्चितता के बावजूद महामारी से पूर्व के स्तर की ओर सामान्य हो रही है। अल्ट्राटेक सीमेंट लि. की वार्षिक आम बैठक में वर्चुअल माध्यम से शेयरधारकों को संबोधित करते हुए आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन ने कहा कि कोरोना रोकथाम टीकाकरण की रफ्तार तेज हो रही है। इससे कोविड की संभावित तीसरी लहर से लड़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) और सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों ने महामारी के कारण पैदा हुई आर्थिक बाधाओं को रोकने में मदद की है। उन्होंने कहा, ''आर्थिक संकेतक बताते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था भी तेजी से महामारी के पूर्व स्तर पर पहुंचने की ओर सामान्य हो रही है।

चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 10 प्रतिशत से कुछ कम रहने का अनुमान है।'' उन्होंने कहा कि वित्तीय रुख स्पष्ट रूप से आने वाले वर्षों में सरकारी पूंजीगत व्यय में तेजी लाने के लिए तैयार है। विशेष रूप से राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन परियोजनाओं के संबंध में। बिड़ला ने कहा कि महामारी की शुरुआत के बाद नीतिगत समर्थन, वित्तीय प्रोत्साहन और आसान मौद्रिक नीतियां वैश्विक स्तर पर शानदार रही हैं। उन्होंने कहा, ''व्यवसायों ने इस तरह काम करने के तरीके तैयार किए हैं जो महामारी से संबंधित स्थितियों और अनिश्चितताओं के अनुकूल हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) को उम्मीद है कि 2021 में विश्व अर्थव्यवस्था 6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। '' उन्होंने कहा कि कैलेंडर वर्ष 2022 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 4.9 प्रतिशत से ऊपर रहने का अनुमान है।

आदित्य बिड़ला समूह धातु, पल्प और फाइबर, रसायन, कपड़ा, कार्बन ब्लैक, दूरसंचार और सीमेंट जैसे क्षेत्रों में काम करता है। समूह 36 देशों में फैले अपने विदेशी परिचालन से 50 प्रतिशत से अधिक आय प्राप्त करता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एशियाई युवा एवं जूनियर चैम्पियनशिप : भारतीय मुक्केबाजी टीम की रवानगी में विलंब

नई दिल्ली : दुबई में होने वाली एशियाई युवा एवं जूनियर चैम्पियनशिप के लिए भारतीय मुक्केबाजी दल की रवानगी में खिलाड़ियों की कोविड-19 परीक्षण रिपोर्ट में 'तकनीकी मुद्दे' के कारण एक दिन का विलंब हो गया जिससे अब खिलाड़ी गुरूवार की शाम को ही रवाना हो पाएंगे। भारत को शुक्रवार से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में चार टीमें, दो पुरूषों (जूनियर और युवा) और दो महिलाओं (जूनियर और युवा) भेजनी थीं। इसके ड्रा गुरूवार को होंगे। भारतीय दल के एक सूत्र ने कहा, 'हमारी आरटी पीसीआर परीक्षण रिपोर्ट में क्यूआर कोड नहीं थे जो दुबई में अनिवार्य होते हैं। टीम आज रात रोहतक वापस आ गई है और सुबह ताजा परीक्षण के बाद ही गुरूवार शाम को रवाना होगी। यह तकनीकी मुद्दा है जिसके बारे में हम नहीं जानते थे।'

हमारा पदक नवीन पटनायक की तरफ से देश को एक उपहार है: हॉकी कप्तान मनप्रीत

भुवनेश्वर (एजेंसी)।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने मंगलवार को कहा कि टोक्यो ओलंपिक में जीता गया उनका कांस्य पदक ओडिसा के मुख्यमंत्री और इस खेल के धुर समर्थक नवीन पटनायक की तरफ से देश को एक उपहार है। महिलाओं और पुरुष टीमों के लिये आयोजित सम्मान समारोह में पटनायक ने घोषणा की कि ओडिसा अगले 10 वर्ष भारतीय हॉकी टीमों का प्रायोजक बना रहेगा। ओडिसा सरकार 2018 से राष्ट्रीय हॉकी टीमों को प्रायोजित कर रही है। मनप्रीत ने कहा कि खिलाड़ी होने के नाते भले ही कांस्य पदक हमने जीता है लेकिन सच्चाई यह है कि यह भारत का पदक है। यह माननीय मुख्यमंत्री नवीन पटनायक का देश को उपहार है जिनकी दूरदृष्टि और प्रोत्साहन से हम 41 साल बाद ओलंपिक पदक जीतने का सपना साकार करने में सफल रहे। भारत ने इससे पहले 1980 में मास्को ओलंपिक में हॉकी में पदक जीता था। तब भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक हासिल किया था। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने हाल में समाप्त हुए तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता जबकि महिला टीम चौथे स्थान पर रही थी जो उसका इन खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पटनायक ने प्रत्येक खिलाड़ी को 10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार सौंपने के बाद कहा कि हमारी टीमों ने तोक्यो ओलंपिक में अपने बेहतरीन प्रदर्शन से इतिहास रचा।%% पटनायक ने दोनों टीमों के सहयोगी स्टाफ के लिये भी पांच-पांच लाख रुपये के पुरस्कार की घोषणा की। ओडिसा में हम इस बात से उत्साहित हैं कि हॉकी इंडिया के साथ हमारी भागीदारी से देश ने यह शानदार उपलब्धि हासिल की है। मेरा मानना है कि ओडिसा और हॉकी एक दूसरे के पर्याय बनने के लिए ही बने हैं। हम हॉकी इंडिया से अपनी भागीदारी जारी रखेंगे। ओडिसा अगले 10 वर्षों तक भारतीय हॉकी टीमों का सहयोग करता रहेगा। इस अवसर पर दोनों टीमों ने खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली जर्सी मुख्यमंत्री को भेंट की। पटनायक ने कहा कि आपने टोक्यो में अपने शानदार प्रदर्शन से हमारा सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। भारतीय हॉकी के पुनरुद्धार का गवाह बनने के लिये भारत के लिये यह भावनात्मक पल हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 13 पुरस्कार भी वितरित किए। पुरुष टीम में हरमनप्रीत सिंह को

सर्वाधिक गोल करने, पी आर श्रीजेश को सर्वाधिक गोल बचाने और नीलकांत शर्मा को सर्वाधिक गोल करने में मदद करने के लिए पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा रूपिंदर पाल सिंह और अमित रोहिदास को भी पुरस्कार मिले। महिला टीम में गुरजीत कौर और वंदना कटारिया ने सर्वाधिक गोल करने का जबकि सविता पूनिया ने सर्वाधिक गोल बचाने का पुरस्कार हासिल किया। रानी रामपाल, नवनीत कौर, दीप ग्रेस एक्का और पी सुशीला चानू को भी पुरस्कार दिये गये। इनमें से प्रत्येक खिलाड़ी को पांच-पांच लाख रुपये मिले।

आईपीएल 2021 स्काड सबमशिन की तारीख करीब, फ्रैंचाइजी ऊहापोह में

मुम्बई (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग 2021 संयुक्त अरब अमीरात में 19 सितंबर से फिर से शुरू होने के लिए तैयार है। इस साल की शुरूआत में बायो बबल में छेद के बाद टूर्नामेंट को निलंबित कर दिया गया था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सभी फ्रेंचाइजी के लिए लीग के दूसरे चरण के लिए अपनी अंतिम टीम की सूची जमा करने के लिए 20 अगस्त की समय सीमा निर्धारित की है। हालांकि, अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट बोर्डों ने टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी के बारे में निर्णय लेने के लिए अपने खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया है। एक फ्रेंचाइजी के अधिकारी ने इनसाइडस्पोर्ट को बताया, हमें 20 अगस्त तक टीम जमा करनी है, लेकिन मैं पुष्टि नहीं कर सकता कि सभी विदेशी खिलाड़ी उपलब्ध होंगे या नहीं। हम अभी भी कुछ खिलाड़ियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। अच्छी बात यह है कि टी 20 विश्व कप यूएई में होगा और इससे हमें विश्वास है कि सभी खिलाड़ी उपलब्ध होंगे लेकिन हम अभी भी कुछ खिलाड़ियों की अंतिम पुष्टि का इंतजार कर रहे हैं। टूर्नामेंट के यूएई चरण के लिए अपने खिलाड़ी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बीसीसीआई इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड के साथ बातचीत कर रहा था। दोनों बोडरें ने हरी झंडी दे दी लेकिन अंतिम फैसला खिलाड़ियों पर छोड़ दिया। इसकी जानकारी फ्रेंचाइजी को एक हफ्ते पहले ही दी गई थी। इस देरी के कारण, फ्रेंचाइजी व्यक्तिगत विदेशी खिलाड़ियों से पुष्टि की प्रतीक्षा कर रही हैं। एक अन्य फ्रेंचाइजी के अधिकारी ने कहा, हां, आधिकारिक तौर पर जवाब देने में बीसीसीआई की देरी ने आखिरी मिनट की परेशानी में एक भूमिका निभाई। हम खबरों में खिलाड़ियों की उपलब्धता के बारे में सुनते रहे लेकिन बीसीसीआई ने आधिकारिक तौर पर अगस्त में ही इसकी पुष्टि की। इसलिए हमारे लिए 20 अगस्त की डेडलाइन थोड़ी जल्दी है। लेकिन अगर यह आदर्श है, तो हम उसका पालन करेंगे।

टेनिस : ओसाका, बार्टी और केरबेर सिनसिनाटी के तीसरे दौर में

सिनसिनाटी। दूसरी वरियता प्राप्त जपान की नाओमी ओसाका ने अमेरिका के कोको गॉफ को 4-6, 6-3, 6-4 से हरा कर यहां चल रहे सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में जगह बना ली है। इस बीच, महिला में वर्ल्ड नंबर 1 ऑस्ट्रेलिया की एश्ले बार्टी भी ग्रेट ब्रिटेन की हीथर वॉटसन के खिलाफ 6-4, 7-6 (3) की जीत के साथ तीसरे दौर में पहुंच गई, जबकि गत चैंपियन बेलारूस की विक्टोरिया अजारेंका ने एलिसन रिस्के को 6-2, 7-5 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। तीसरी वरीयता प्राप्त बेलारूस की अरिना सबलेंका को स्पेन की पाउला बाडोसा के हाथों राउंड-32 के मुकाबले में 5-7, 6-2, 7-6 (4) से हार का सामना करना पड़ा। जर्मनी की पूर्व विश्व नंबर 1 एंजेलिक केरबेर ने राउंड ऑफ 16 में एलिना स्वितोलिना को 7-5, 2-6, 6- से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। दूसरे दौर के मैचों में, चेक गणराज्य की करोलिना प्लिस्कोवा ने कजाकिस्तान की यूलिया पुतिनत्सेवा को 6-2, 6-2 से हराया।बेलिंडा बेनसिच ने अमेरिका की शेल्बी रोजर्स को 7-6(1), 6-1 से हराया। ट्यूनीशिया के ओन्स जेबेउर ने छठी वरीयता प्राप्त पोलैंड की इगा स्विएटेक को 6-3, 6-3 से हराया, जबकि स्पेन की गारबाइन मुगुरुजा ने फ्रांस की कैरोलिना गार्सिया को 6-4, 6-3 से हराया।

महिला क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर्स 2021 की मेजबानी करेगा जिम्बाब्वे

दुबई (एजेंसी)।

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर्स 2021 की मेजबानी जिम्बाब्वे करेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) गुरूवार को इसकी जानकारी दी। जिम्बाब्वे में 21 नवंबर से 5 दिसंबर तक इसका आयोजन किया जाएगा। 10 टीम के टूर्नामेंट के लिए कार्यक्रम की घोषणा नियमित समय में की जाएगी। न्यूजीलैंड में 4 मार्च से 3 अप्रैल तक होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप 2022 के लिए तीन क्वालीफायर तय होंगे, जो पहले से ही आईसीसी महिला चैम्पियनशिप के माध्यम से क्वालीफाई कर चुकी पांच टीमों- ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, दक्षिण अफ्रीका और मेजबान न्यूजीलैंड में शामिल होंगी। । आईसीसी के हेड ऑफ इवेंट्स क्रिस टेटली ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि तीन क्वालीफायर के साथ-साथ अगली दो टीमें पिछली बार से शीर्ष पांच के साथ अगली आईसीसी महिला चैम्पियनशिप (आईडब्ल्यूसी) में भी स्थान सुनिश्चित करेंगी, क्योंकि आईडब्ल्यूसी के तीसरे चक्र में टीमों की संख्या आठ से बढ़कर 10 हो गई है। टूर्नामेंट के पांचवें संस्करण में एक्शन में दिखाई देने वाली टीमें बांग्लादेश, आयरलैंड, नीदरलैंड, पाकिस्तान, पापुआ न्यू गिनी, श्रीलंका, थाईलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे हैं। जिम्बाब्वे क्रिकेट के अध्यक्ष तवेंगवा मुकुहलानी ने

कहा, सबसे पहले, मैं आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर 2021 की मेजबानी करने का विशेषाधिकार देने के लिए आईसीसी बोर्ड को उनके उदार भाव के लिए अपना हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करना चाहता हूं। हमारी ओर से, हम यह सुनिश्चित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे कि यह प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजन एक अनूठी घटना के रूप में सामने आए।

संक्षिप्त समाचार

इंग्लैंड का दौरा करने के लिए ली ताहुहू ने कैंसर के डर पर काबू पाया

डर्बी। न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज ली ताहुहू ने बताया है कि उनके बाएं पैर में एक तिल है जो कैंसर का रूप ले सकता है। इसके बावजूद वह इस डर पर काबू पाकर अगले महीने होने वाले इंग्लैंड दौरे पर जाना चाहती हैं। ली को इससे निपटने के लिए तीन सर्जरी की आवश्यकता है। ली और उनकी साथी एमी सैथरथवेट के लिए ये चिंता का विषय बन गया है। ली ने न्यूरुम डॉट कॉम डॉट एनजे के साथ बातचीत में कहा , इसकी वजह से मैं बहुत परेशान हूं। यह एक सदमे जैसा है। ली तिल के लिए नियमित जांच पर थी, लेकिन चीजें तेजी से बदलने लगीं। उन्होंने कहा, यह 18 महीने से था। यह शुरू में ठीक लग रहा था और फिर यह थोड़ा बढ़ा और रंग बदलने लगा। मैंने तिल को हटा दिया था और उस समय सब ठीक हो गया था पर जब इसे हटाया तो ये हल्का सा खुला रह गया था। जब ली ने व्हाइट फर्न्स के कैंप में गेंदबाजी की दौरान वह बेहद असहज महसूस कर रही थीं। जब वे डॉक्टर के पास गई तो उन्हें संक्रमण दिखा। ली ने जब और भी टेस्ट कराए तो पता चला कि तिल को सही समय पर निकाल दिया गया था। न्यूजीलैंड का इंग्लैंड दौरा एक सितंबर से तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के साथ शुरू होगा और उसके बाद पांच वनडे मैचों की सीरीज होगी।

पाकिस्तान दौरे को लेकर सुरक्षा की समीक्षा करेगा ईसीबी

नई दिल्ली। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) पड़ोसी देश अफगानिस्तान में संघर्ष को लेकर चिंताओं के बीच इस साल सर्दियों में प्रस्तावित पाकिस्तान दौरे से पहले सुरक्षा की समीक्षा करेगा। इंग्लैंड 16 साल में पहली बार अक्टूबर में पाकिस्तान का दौरा करने वाला है, जिसमें पुरुष टीम रावलपिंडी में दो टी 20 और महिला टीम दो टी 20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। हालांकि, तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जा करने से पड़ोसी देश पाकिस्तान में नए सुरक्षा मुद्दों पर चिंता बढ़ गई है। डेली मेल ने ईसीबी के प्रवक्ता के हवाले से कहा, किसी भी दौरे के लिए सुरक्षा प्रक्रियाएं और जांच चल रही है। हम इस शरद ऋतु में पाकिस्तान के पुरुषों और महिलाओं के दौरे की योजना बना रहे हैं। 2009 में श्रीलंका टीम की बस पर एक आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में घरेलू अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा था। पाकिस्तान में हालांकि अब इंटरनेशनल क्रिकेट शुरु हो चुका है लेकिन हर दौरे से पहले वहां के संबंधित बोर्ड सुरक्षा का जायजा लेते हैं। इसी के बाद दौरे के हरी झंडी मिलती है। सुरक्षा चिंता को लेकर खिलाड़ी व्यक्तिगत स्तर पर दौरे छोड़ते रहे हैं। 2016 में इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स और इयोन मोर्गन ने सुरक्षा कारणों से बांग्लादेश दौरा नहीं किया था।

पेरिस ओलंपिक के लिए तीन साल का समय होना कठिन : बिंद्रा

मुंबई (एजेंसी)।

ओलंपिक में व्यक्ति इवेंट में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारत के पहले एथलीट शूटर अभिनव बिंद्रा का मानना है कि पेरिस में 2024 में होने वाले ओलंपिक के लिए तीन साल का समय होना कठिन होगा। बिंद्रा ने ईएलएमएस स्पोर्टस फाउंडेशन के वेबिनार में कहा, टोक्यो में ऐतिहासिक प्रदर्शन रहा और सात पदक आए। यहां बेहतरीन पल और कुछ भावुक करने वाले पल देखने को मिले। लेकिन खेल इसी का नाम है। मैं अगले ओलंपिक साईकल को थोड़ा कठिन मान रहा हूं क्योंकि इसके लिए समय कम है। आमतौर पर एथलीट ओलंपिक के एक साल बाद तक थोड़ा रिलेक्स रहते हैं जिससे उन्हें आराम मिलता है और वह रिकवर होते हैं। लेकिन इस बार उन्हें तुरंत ही वापसी करनी होगी। टोक्यो ओलंपिक में भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक के अलावा भारत को भारोत्तोलक मीराबाई चानू और पहलवान रवि कुमार दहिया ने रजत पदक दिलाए। इनके अलावा बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु, मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन, पहलवान बजरंग पुनिया और पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीते।पेरिस के लिए कम समय रहना टोक्यो 2020 का कोरोन वायरस के कारण एक साल के लिए स्थगित होना रहा है। आमतौर पर ओलंपिक चार साल में होते हैं लेकिन इस बार इसके लिए तीन वर्ष का समय शेष रह गया है।बिंद्रा ने 2008 बीजिंग ओलंपिक में 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में स्वर्ण पदक जीता था।

बिंद्रा ने कहा, हम लोग टॉप लीडरशीप के बारे में बात करते हैं लेकिन मुझे लगता है कि हमें दूसरे स्तर के लीडरशीप में और क्वालिटी लाने की जरूरत है।

पीसीआई अध्यक्ष दीपा मलिक टोक्यो पहुंचीं

नई दिल्ली। भारतीय पैरालम्पिक समिति (पीसीआई) की अध्यक्ष दीपा मलिक और उप प्रमुख डी मिशन अरहान बगाती पैरालम्पिक खेलों के शुरू होने से पहले गुरूवार को टोक्यो पहुंच गए। दीपा ने ट्वीट कर लिखा, आराम से चेक इन किया और कोविड प्रोटोकॉल के तहत सब हुआ। एयरपोर्ट पर कई बूथ और स्वंयसेवी सहायता करने के लिए है। अरहान ने वीडियो शेयर कर ट्वीट किया, अगला पड़ाव पैरालम्पिक विलेज। दीपा और उप प्रमुख डी मिशन के साथ पीसीआई के संस्थापक सदस्य जे. चंद्रशेखर, कोषाध्यक्ष एम. महादेवा और भारत के पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना हसमुखभाई पटेल और सोनल पटेल भी हैं।भारत की तरफ से 54 पैरा एथलीट इस इवेंट में हिस्सा लेंगे। भारत ने इस बार अपना सबसे बड़ा दल पैरालम्पिक में भेजा है।

ऑस्ट्रेलिया टी20 विश्व कप जीतने में सक्षम: पोंटिंग

मेलबर्न। पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया की टीम इस साल यूएई और ओमान में होने वाले टी 20 विश्व कप को जीतने में सक्षम है। अनकैप्ड विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिस को सीनियर खिलाड़ी मैथ्यू वेड के बैकअप के तौर पर 15 सदस्यीय टीम में चुना गया है। पोंटिंग इस बात से खुश हैं कि टी 20 विश्व कप के लिए इंग्लिस को ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह दी गई है। पोंटिंग ने ट्वीट कर कहा, इंग्लिस को अवसर मिलते देखना सुखद है। वह मजे के लिए स्कोर करते हैं और अगर उन्हें लिया गया है तो यह बेहतरीन है। ओवरऑल यह अच्छी टीम है और मेरे ख्याल से टी20 विश्व कप जीतने में सक्षम है। टी20 विश्व कप के लिए कप्तान आरोन फिंच, स्टीवन स्मिथ, डेविड वार्नर, पैट कमिंस और ग्लेन मैक्सवेल की टीम में वापसी हुई है। मैक्सवेल एडम जम्पा, एश्टन एगर और मिशेल स्वीपसन के साथ टीम के स्पिन गेंदबाजी का भी विकल्प होंगे। ऑस्ट्रेलिया टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरूआत सुपर-12 स्टेज में 23 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका के साथ मुकाबले से करेगा। ऑस्ट्रेलिया की टीम गत विजेता वेस्टइंडीज, 2010 की चैंपियन इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और पहले राउंड से क्वालीफाई करने वाली दो अन्य टीमों के साथ ग्रुप-1 में है।

कोए ने भारतीय एथलीटों से कहा-यह आपके चमकने का क्षण है

नैरोबी (एजेंसी)।

विश्व एथलेटिक्स के प्रमुख सबास्टियन कोए ने केन्या के नैरोबी में जारी अंडर-20 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के इतर भारतीय दल को संबोधित करते हुए कांस्य पदक जीतने वाली 4 गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले टीम को बधाई दी है। भारत श्रीधर, प्रिया एच. मोहन, सुमी और कपिल की भारतीय चौकड़ी ने बुधवार शाम को 4 गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले स्पर्धा के फाइनल में 3:20.60 सेकेंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। प्रिया शनिवार को महिला 400 मीटर के फाइनल में भी भाग लेंगी। भारतीय चौकड़ी नाइजीरिया (3:19.70 सेकेंड) और पोलैंड (3:19.80 सेकेंड) के बाद तीसरे स्थान पर रही। भारत श्रीधर, जो चोट से वापस आ रहे हैं, उन्होंने भारत को तीसरी लेन में अच्छी शुरूआत दी। उन्होंने 47:12 सेकेंड में अपने हिस्से की रेस पूरी की। प्रिया मोहन ने दिन की अपनी तीसरी 400 मीटर दौड़ होने के बावजूद शानदार प्रदर्शन करते हुए गति को बनाए रखा 52.77 सेकेंड में टीम का दूसरा चरण पूरा किया। हालांकि सुमी उन सभी में सबसे धीमी थी और अगले 400 मीटर को 54.29 सेकंड में पूरा किया लेकिन कपिल ने 46.42 सेकेंड में अपने हिस्से की दौड़ पूरी कर भारत को कांस्य पदक दिला दिया। इस प्रकार भारतीय जूनियर्स इस महीने की शुरूआत में टोक्यो ओलंपिक में सीनियर टीम द्वारा हासिल किए गए 3:19.93 सेकेंड के समय के काफी करीब आ गए। आयोजन के पहले दिन कांस्य पदक 28 सदस्यीय भारतीय दल के लिए एक बड़े प्रोत्साहन के रूप में आया, जो नीरज चोपड़ा द्वारा विश्व जूनियर्स में हाल के महान प्रदर्शन को आगे बढ़ाने की उम्मीद कर रहा है। नीरज ने जूनियर विश्व चैम्पियनशिप में हिस्सा लेते हुए 2016 में पोलैंड में भाला फेंक स्वर्ण जीता था। वह भी एक जूनियर विश्व रिकॉर्ड के साथ और इसके अलावा हिमा दास ने 2018 में महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था। कोए ने अपने ट्विटर हैंडल पर पोस्ट किए

गए एक वीडियो में कहा, चैंपियनशिप की शुरूआत में आपको इसी तरह का प्रदर्शन करना। आपको 4 गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले कांस्य के लिए बधाई।

प्रिंसपाल NBA खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा बनने वाले पहले भारतीय

न्यूयार्क । प्रिंसपाल सिंह एनबीए खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा बनने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गये। उनकी टीम सैक्रामेंटो किंग्स ने मंगलवार को 2021 एनबीए समर लीग खिताब अपने नाम किया। छह फुट नौ इंच का यह फारवर्ड खिलाड़ी एनबीए में किसी भी स्तर पर चैम्पियनशिप खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा बनने वाला पहला भारतीय है। किंग्स ने मंगलवार को चैम्पियनशिप मैच में बोस्टन सेल्टिक्स के खिलाफ दबदबा बनाते हुए 100-67 की जीत दर्ज की और खिताब अपने नाम किया। एनबीए (राष्ट्रीय बास्केटबॉल संघ) लीग के अनुसार किंग्स टीम कई बार समर लीग खिताब जीतने वाली एकमात्र फ्रेंचाइजी भी बन गयी है जिसने 2014 में पिछला खिताब जीता था। एनबीए अकादमी के भारतीय खिलाड़ी प्रिंसपाल फाइनल में मैच के अंतिम 4:08 मिनट खेले और इस तरह उन्होंने एनबीए में खेलने वाले एक अन्य भारतीय सतनाम सिंह भामरा के साथ अपना नाम दर्ज करा लिया। कोर्ट पर 20 वर्षीय 'केजर' प्रिंसपाल ने किंग्स के फाइनल 'बकेट' में बास्केटबॉल डालकर दो अंक जुटाए जिससे टीम के 100 अंक हो गये। इस खिलाड़ी ने एक हफ्ते पहले चैम्पियनशिप का मैच खेलकर समर लीग में पदार्पण किया था। वह उस मैच में वाशिंगटन विजर्ड्स के खिलाफ किंग्स की जीत के दौरान 1:22 मिनट खेले थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गर्भवती महिलाओं में बहुत ही कॉमन हैं क्रेविंग्स...

एक औरत अपने को तभी पूर्ण मानती है जब वह अपनी कोख से बच्चे को जन्म देती है। लेकिन शिशु को जन्म देने के लिए नौ माह का लम्बा सफर तय करना पडता है। इस दौरान उनके खान-पान पर ही शिशु की सेहत निर्भर करती है। गर्भावस्था में महिला जो भी खाती है उस का सीधा असर बच्चे पर होता है। हैल्दी खाना उनके लिए जरूरी है लेकिन प्रेग्नेंट महिलाओं में क्रेविंग्स बहुत कॉमन हैं और वे अक्सर क्रेविंग को हैल्दी फूड पर तरजीह देती हैं। एक नए सर्वे रिजल्ट के अनुसार 84 फीसदी प्रेगनेंट महिलाएं आइसक्रीम, चिप्स, चॉकलेट्स, कुकीज और कैंडी खाती हैं। दस में से आठ महिलाओं ने यह भी स्वीकार किया कि वे ऐसा भाजन भी खा लेती हैं जो उनके लिए हानिकारक हो सकता है।

अमेरिकन बेबी मैग्जीन द्वारा जारी एक सर्वे के रिजल्ट में बताया गया कि 70 फीसदी मांओं ने बताया है कि जब वे प्रेगनेंट हुई तो उन्होंने हैल्दी खाना खाना शुरू कर दिया, हालांकि 63 फीसदी ने उनके लिए रेकमेंड की गई सब्जियों और फलों की 5 से 9 सर्विंग्स को नहीं खाया।

सर्वे में चैंकाने वाली बात यह थी कि 12 फीसदी ने दिन में एक या उससे भी कम बार खाना खाया। इनमें से ज्यादातर को प्रेग्नेंसी के कारण भोजन में अरूचि हो गई थी। सर्वे में 2300 प्रेग्नेंट और न्यू मॉम शामिल थीं। सर्वे का टाइटल था-प्रेग्नेंट महिला वास्तव में क्या खाती हैं। अमेरिकन बेबी के अक्तूबर 2015 के इश्यू में यह सर्वे प्रकाशित होगा।

10 में से 8 महिलाओं ने इस दौरान रिस्की फूड खाना भी स्वीकार किया। स्टडी में पाया गया कि 48 फीसदीने कोल्ड डेली मीट, 32 फीसदी ने अधपके अंडे, मीट या मछली, 20 फीसदी ने प्रीमेड डेली सलाद और 7% ने अनपेस्टूराइज्ड चीज खाया। प्रेग्नेंसी में इन सब चीजों को खाने की मनाही होती है क्योंकि इससे कॉम्पलीकेशंस आ सकती हैं।

सर्वे में कुछ अच्छी बातें भी सामने आई। 92 फीसदी महिलाओं ने स्वीकार किया कि प्रेग्नेंसी के बाद उन्होंने अल्कोहल का सेवन नहीं किया, 77 % रोजाना ब्रेकफास्ट करती हैं और 84 फीसदी कैफीन के लिए दी गई गाइडलाइंस का पूरी तरह पालन करती हैं। सर्वे में यह भी पाया गया कि 61% मांओं को प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाले वेट गेन की भी चिंता रहती है और करीब एक-तिहाई इस दौरान ओबीस या ओवरवेट हो जाती हैं।

प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए फायदेमंद 7 टिप्स....

- समूदी बनाओ। जब आपके पास खुद की केयर करने का ज्यादा टाइम न हो तो डाइट में ज्यादा फल और सब्जियां शामिल करने का यह सबसे बढ़िया तरीका है।
- खुद को प्रेरणा दो। जब आपकी इच्छा कुकीज खाने की हो तब फल और सब्जियां खाओ।
- ब्रेकफास्ट खाओ। यह दिन का सबसे महत्वपूर्ण मील है।
- दिन में तीन बार डेयरी प्रॉडक्ट्स जैसे दही, दूध और पनीर खाओ।
- मछली पसंद हो तो श्रंप, सालमन या स्कैल्प खा सकती हैं।
- मछली खाना पसंद न हो तो ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर अंडे, अखरोट या आवाकाडो खाएं।
- खाने में उन पदार्थों का सेवन करना चाहिए जिनमें लौह पदार्थ अधिक मात्रा में पाए जाते हों जैसे पालक, सरसों, बंद गोभी, गांठगोभी, धनियां, पुदीना, गुड़ किशमिश आदि।

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है, वाली कहावत काफी पुरानी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी इस पर काफी बल देते हैं। यह एक जानी-मानी बात है कि यदि दिमाग में कोई परेशानी हो तो थोड़े समय बाद इसका प्रभाव हमारे शारीरिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है और हम जल्दी जल्दी बीमार होने लगते हैं। शरीर में होने वाली पीड़ा, मांसपेशियों का दर्द आदि बढ़ जाता है।

भावनाएं हैं स्वास्थ्य की बैरोमीटर

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि हम जैसा सोचते हैं हमारा शरीर उसी के अनुकूल बनता है। हम जैसा महसूस करते हैं, जैसे काम करते हैं हमारा शरीर भी उसी ढांचे के अनुरूप बन जाता है। इसे ही प्रायः माइंड और बॉडी कनेक्शन कहा जाता है। जब हम तनाव में होते हैं, परेशानियों से घिरते हैं या बेचैन होते हैं तो हमारा शरीर इसका संकेत हमें देना शुरू कर देता है कि शरीर के साथ असामान्य स्थिति है। हममें से कई लोग अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने में सफल हो जाते हैं। इसके विपरीत कुछ लोग तनाव के क्षणों में, विपरीत स्थितियों मे ओवर रिएक्ट करने लगते हैं। वह किसी भी बात को दिल से लगा लेते हैं। उन्हें जब लगता है कि वह कुछ भी कर पाने में सक्षम नहीं हैं तो वह तुरंत रोने लगते हैं, गुस्सा हो जाते हैं, उदासी उन्हें घेर लेती है और चिड़चिड़े हो जाते हैं। इस तरह के लोग परेशान होने के लिए बहाना ढूंढ़ते हैं। उनका यह चिढ़चिढ़ापन, अवसाद में रहने की प्रवृत्ति उनके शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर डालती है।

इसका असर उनके दिल-दिमाग पर ही नहीं शरीर पर भी दिखने लगता है। दरअसल, होता यह है कि जब आप तनाव में होते हैं या परेशान होते हैं उस समय अपने स्वास्थ्य के प्रति हम लापरवाह हो जाते हैं। तनाव के समय घूमने जाना, एक्सरसाइज करना, संतुलित भोजन लेना और डॉक्टर के निर्देश के अनुसार दवाइयां खाना इन सब चीजों का रुटीन बिगड़ जाता है।

सवाल है इन स्थितियों से बचाव के लिए क्या करें? इसके लिए चिकित्सक एबीसी का फार्मूला अपनाने की सलाह देते हैं। ए का अभिप्राय है, अवेयरनेस यानी कोई भी समस्या जब पैदा होती है तो उसके प्रति हमें पूरी तरह से सजग-सचेत होना चाहिए। इसमें किसी की प्रेरणा हमारे लिए सहायक सिद्ध हो सकती है या हम अपना स्वयं का नजरिया सकारात्मक बनाएं जिससे हम समस्या को अपने पास फटकने से पहले ही उसे दूर भगा दें। बी यानी बैलेंसिंग यानी सही और गलत के बीच संतुलन कायम रखने की क्षमता का अपने भीतर पैदा करना। सी का अभिप्राय है कंट्रोल यानी विपरीत स्थितियों पर प्रतिक्रिया को नियंत्रण में रखना।

इन तमाम चीजों के अलावा हम पर हमारी भावनाएं हावी होकर हमारे स्वास्थ्य पर बुरा असर न डालें, इसके लिए जरूरी है कि हम संतुलित भोजन लें, समय पर भोजन करें और पर्याप्त नींद लें। किसी भी तरह का नशा न करें। अपनी समस्या को लेकर अपने आपको परेशानी में न रखें। नियमित शारीरिक व्यायाम करें। योगासन करें, मेडिटेशन करें। कुल मिलाकर शरीर को आराम पहुंचाने वाली गतिविधियां करें। जब कभी भावनात्मक दबाव में आएं और भावनाएं दिल-दिमाग पर इस कदर हावी होने लगें कि उनका आपके काम और रिश्तों पर नकारात्मक असर पडने लगे तो ऐसी स्थिति में किसी प्रोफेशनल की मदद लें। ज्यादा संवेदनशील होना किसी तरह की बीमारी नहीं है। यह अकसर कई लोगों के साथ होता है। एक खास अवसर पर ऐसा होना स्वाभाविक है।

काउंसलर किसी भी स्थिति से निपटने में हमारी मदद करते हैं। इसलिए उनसे मदद लेने में हमें कोई संकोच नहीं करना चाहिए। वह अति संवेदनशील लोगों को अपनी समस्याओं को लेकर ज्यादा परेशान न होने और उनसे निपटने के बेहतर उपाय सुझा सकते हैं। इन तमाम बातों के अलावा आप हर चीज के विषय में एक डायरी बनाएं, जिसमें कहां पर आप किस स्थिति में ओवररिएक्ट करते हैं उसमें नोट करें। इससे आपको अपनी समस्याओं के प्रति जागरूक होने में सहायता मिलेगी। याद रखें मानसिक समस्याएं धीरे-धीरे हमारे शरीर पर गलत असर डालती हैं और इसकी वजह से हमें कब्ज, डायरिया, कमर दर्द, भूख न लगना, मुंह सूखना, ज्यादा थकान लगना, हाई ब्लडप्रेशर से दर्द, अनिद्रा, गहरी सांस आना, गर्दन में दर्द, पसीना आना, पेट खराब होना, वजन बढना या कम होना जैसी तमाम समस्याएं आ सकती हैं इसलिए समय है सचेत हो जाइए। अपनी समस्याओं का असर अपने शरीर पर न पडने दें।

हम क्या खाते हैं और कितना पानी पीते हैं, यह तय करता है कि हम कितने फिट और स्वस्थ रहेंगे। अच्छी सेहत के लिए खान-पान में पोषण का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। जानते हैं कुछ बातें, जो कर सकती हैं इसमें आपकी मदद...

सही पोषण की सात अच्छी आदतें

नाश्ता जरूर करें

खुद को यह बताएं कि सुबह का

नाश्ता अच्छी सेहत के साथ-साथ शरीर को ऊर्जावान बनाए रखने के लिए जरूरी है। टोंड दूध के साथ ओट्स लें। उच्च फाइबरयुक्त फल और एक चुटकी दालचीनी खाएं। इससे रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। आप चाहें तो मल्टीग्रेन ब्रेड और कुछ अंडे, हल्के तले हुए मशरूम और हरी पत्तेदार सब्जियां भी खा सकते हैं।

पानी है अनमोल

हर आधे घंटे में पानी पिएं। पानी शरीर के पोषक तत्वों को भीतरी अंगों और ऊतकों तक ले जाता है। यह ध्यान रखें कि जूस और अन्य ड्रिंक्स पानी की बराबरी नहीं कर सकते।

हर रोज व्यायाम करें

अपने वर्कआउट में हृदय के लिए लाभकारी व्यायाम करें। शरीर को मजबूत और लचीला बनाए रखने वाले व्यायामों को शामिल करें।

ज्यादा चाय-कॉफी ठीक नहीं

चाय और कॉफी की मात्रा का ध्यान देना बहुत जरूरी है। ग्रीन टी भी अधिक न पिएं। पांच कप से अधिक ग्रीन टी लेना शरीर में पानी की कमी पैदा करेगा। अगर आप सिर्फ दूध और चीनी वाली चाय पीते हैं तो यह तय है कि आप सीमा से अधिक चीनी डाइट में ले रहे हैं।

खूब खाएं हरी पत्तेदार सब्जियां

यह ध्यान रखें कि हररोज कितनी मात्रा में हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन कर रहे हैं। पालक और मेथी में फोलेट प्रचुरता में होते हैं। इस विटामिन से शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं तेजी से बनती हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें कैलरी बहुत कम होती है। तीनों समय हरी सब्जियों को भोजन में शामिल करें।

नींद का रखें ध्यान

पोषक तत्व नींद पर भी असर डालते

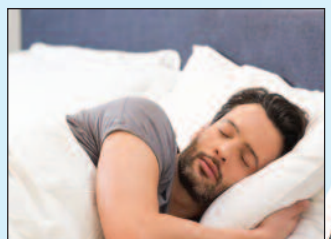

हैं। सोने से पहले कैफीन, चॉकलेट, अधिक चिकनाई वाली चीजें न खाएं। ये चीजें आंतों को प्रभावित करती हैं। उदाहरण के लिए सोने से पहले अधिक तला हुआ खाना पित्त बनाता है और पाचन प्रक्रिया को धीमा करता है।।

हेल्दी स्नेक्स

हल्के-फुल्के नाश्ते के लिए स्वस्थ तरीके आजमाएं। इससे भूख नियंत्रित रहती है। सेब, अनार के दाने और बादाम का सलाद खाएं। शाम के समय गाजर और खीरे का सलाद खाएं।

अपनी बॉडी के लिहाज से ही स्कर्ट का चयन

क्विक और ईजी स्कर्ट्स वर्सटाइल होने के साथ ही एक गॉर्जियस लुक भी देती हैं। अक्सर स्कर्ट खरीदते समय बॉडी शेप का ध्यान नहीं रखा जाता है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि कौन से बॉडी टाइप पर कैसी स्कर्ट सूट करेगी।

पियर शेप बॉडी वालों को हिप्स पर बिलकुल फोकस नहीं करना है। इसलिए आपके लिए ए-लाईन स्कर्ट्स ठीक हैं या फिर फ्लेयर वाले स्कर्ट्स भी अच्छे लगेंगे। फिटेड स्कर्ट्स अवॉयड करें। अगर आप ज्यादा लम्बे नहीं हैं, तो लंबी स्कर्ट्स भी अवॉयड करें। पेयर शेप में कम हाईट वालों को मिड-लेंथ स्कर्ट्स पहनने चाहिए। इससे हाईट लम्बी दिखाई देती है। बोल्ड प्रिंट्स और कलर्स अवॉयड करें। डार्क और प्लेन स्कर्ट के साथ बोल्ड कलर में प्रिंटेड टॉप पहने।

अगर फिगर अच्छा है तो बिलकुल फ्लॉन्ट करें। आप पर लगभग हर स्टाइल सूट करेगा। लॉन्ग स्कर्ट, शॉर्ट स्कर्ट, सभी तरह के प्रिंट्स और टाइप्स में। अगर मिडरिफ के आस-पास प्रॉब्लम एरिया है या लव हैंडल्स हैं तो मोटे फैब्रिक में हाई-वेस्ट वाले स्कर्ट चुनें।

थोड़े से लूज स्कर्ट्स पहनें और अगर कर्वी बॉडी न हो तो फिटेड स्कर्ट पूरी तरह से अवॉयड करें। अपनी हिप लाईन को बेल्ट या जड़ाऊ स्टोन्स के साथ एक्सेंचुएट करें। इससे बॉडी में कर्व्स होने का आभास होता है। वेस्ट पर यदि घेर हों या फिर फैब्रिक थोड़ा मोटा हो तो बहुत अच्छा है। ये दोनों ही चीजें बॉडी में वॉल्यूम भी एड करते हैं।

अगर आपके पैर टोंड हैं, तो फिटेड शॉर्ट स्कर्ट्स फ्लॉन्ट करें। वरना मिड-काफ लेंथ चने जिसकी वेस्ट पर घेर हों।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अफगानिस्तान में तालिबान के खिलाफ अफगानों ने किया प्रदर्शन, लोगों के बीच डर का माहौल

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में लगातार दूसरे दिन बृहस्पतिवार को छिटपुट स्थानों पर अफगानों ने राष्ट्रध्वज के साथ प्रदर्शन किया तथा शासन संबंधी बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रहे तालिबान ने हिंसा से उसे दबाने की कोशिश की। संयुक्त राष्ट्र के एक अधिकारी ने आयात पर आश्रित 3.8 करोड़ की जनसंख्या वाले इस देश के सामने खाद्यान्न की भारी कमी होने की चेतावनी दी है। विशेषज्ञों ने कहा कि देश के सामने नकदी की भी कमी है तथा तालिबान के सामने वही समस्या है जो नागरिक सरकार के सामने थी , क्योंकि जिस स्तर का अंतराष्ट्रीय सहयोग नागरिक सरकार को प्राप्त था, वैसा सहयोग तालिबान को नहीं मिल रहा है। इन चुनौतियों के आलोक में आतंकवादी किसी भी असंतोष को दबाने के लिए अग्रसर हैं जबकि उसने वादा किया है कि अफगानिस्तान पर अपने पिछले शासन की तुलना में वे उदार होंगे।

कई लोगों को यह डर सता रहा है कि तालिबान महिलाओं के अधिकारों और मानवाधिकारों के विस्तार के दो दशक के प्रयासों को मटियामेट कर देगा। बृहस्पतिवार को काबुल हवाई अड्डे के समीप कारों में सवार होकर एवं पैदल लोगों ने मार्च निकाला एवं उनके हाथों में अफगान ध्वज के सम्मान में लंबे काले, लाल एवं हरे बैनर थे। यह बैनर अवज्ञा का प्रतीक बनता जा रहा है क्योंकि आतंकवादियों का अपना झंडा है। नांगरहार प्रांत में प्रदर्शन को लेकर एक वीडियो जारी किया गया है जिसमेंनजर आ रहा है कि एक प्रदर्शनकारी को गोली लगी है , उसका खून बह रहा है एवं लोग उसे ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। खोस्त प्रांत में तालिबान अधिकारियों ने प्रदर्शन को दबाने के बाद 24 घंटे का कर्फ्यू लगा दिया। विदेश से स्थिति की निगरानी कर रहे पत्रकारों से यह जानकारी मिली है।

वैसे आतंकवादियों ने प्रदर्शन या कर्फ्यू की बात तत्काल स्वीकार नहीं कीहै। कुनार प्रांत में भी लोग सड़कों पर उतरे। प्रत्यक्षदर्शियों एवं सोशल मीडिया पर डाले गये वीडियो से इसकी पुष्टि हुई। यह प्रदर्शन ऐसे समय हो रहा है जब अफगान ब्रिटिश शासन के समापन से संबंधित 1919 की संधि को याद करते हुए स्वतंत्रता दिवस अवकाश मना रहे है। उनका यह प्रदर्शन उल्लेखनीय अवज्ञा है। आतंकवादियों ने बुधवार को हिंसक तरीके से प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर दिया था। जलालाबाद में प्रदर्शनकारियों ने तालिबान का झंडा हटाकर अफगानिस्तान का तिरंगा लगा दिया। उसी दौरान एक व्यक्ति मारा गया। इस बीच, अफगानिस्तान के पंजशीर घाटी में पहुंचे विपक्षी नेता 'नोदर्न अलायंस' के बैनर तले सशस्त्र विरोध करने को लेकर चर्चा कर रहे हैं। यह स्थान 'नोदर्न अलाइंस' लड़ाकों का गढ़ है, जिन्होंने 2001 में तालिबान के खिलाफ अमेरिका का साथ दिया था। यह एकमात्र प्रांत है जो तालिबान के हाथ नहीं आया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि वे तालिबान के लिए कितना गंभीर खतरा पैदा करते हैं क्योंकि महज कुछ ही दिनों में इन आतंकवादियों ने अफगान सशस्त्र बलों के नाममात्र विरोध के बीच करीब पूरे देश पर कब्जा कर लिया है।

तालिबान ने अभी तक उस सरकार के लिए कोई योजना पेश नहीं की है, जिसे चलाने की वह इच्छा रखता है। उसने केवल इतना कहा है कि वह शरिया या इस्लामी कानून के आधार पर सरकार चलाएगा। अफगानिस्तान में विश्व खाद्य कार्यक्रम प्रमुख मेरी एलन मैक्ग्रोर्थी ने कहा, ''हमारी आंखों के सामने एक बहुत बड़ा मानवीय संकट खड़ा हो रहा है।'' उन्होंने कहा कि खाद्यान्न आयात की मुश्किलों के अलावा सूखे से देश की 40 फीसद फसल नष्ट हो गयी है। उन्होंने कहा,

'' यह वाकई अफगानिस्तान की बहुत बड़ी जरूरत की घड़ी है और हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस वक्त अफगान लोगों के साथ खड़ा होने की अपील करते हैं। '' तालिबान द्वारा नृशंस शासन लागू करने को लेकर उत्पन्न अनिश्चितता एवं चिंता के बीच कई अफगान देश से भागने की कोशिश कर रहे हैं। अफगानिस्तान में बृहस्पतिवार को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। यह दिवस मध्य एशियाई देश में ब्रितानी शासन का अंत करने वाली 1919 की संधि की याद में मनाया जाता है। तालिबान ने कहा, ''यह सौभाग्य की बात है कि हम ब्रिटेन से आजादी की आज वर्षगांठ मना रहे हैं। इसके साथ ही हमारे जिहादी प्रतिरोध के परिणाम स्वरूप दुनिया की एक और अहंकारी ताकत अमेरिका असफल हुआ और उसे अफगानिस्तान की पवित्र भूमि से बाहर जाने पर मजबूर होना पड़ा।

सार समाचार

हजारों अफगान शरणार्थियों के अमेरिका के टेक्सास में बसने की संभावना

ह्यूस्टन। अफगानिस्तान में तालिबान से बचने के लिए अमेरिका आने वाले कम से कम 30,000 अफगान शरणार्थियों में से कई को टेक्सास राज्य के विभिन्न शहरों में बसाए जाने की संभावना है। शरणार्थी सेवाओं की एजेंसी ने यह जानकारी दी है। तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जा कर लेने के बाद वहां से हताश होकर अमेरिका भागकर आने वाले कम से कम 30,000 अफगानों को आगामी हफ्तों में अमेरिका में फिर से बसाया जा सकता है। कई अफगान शरणार्थियों को टेक्सास के डलास, फोर्ट वर्थ, ह्यूस्टन और ऑस्टिन शहरों में रखा जाएगा। टेक्सास शरणार्थी सेवा (आरएसटी) के सीईओ रसेल स्मिथ ने एक बयान में कहा, 'अमेरिकी सेना की सहायता करने वाले अफगान नागरिक और उनके परिवार गंभीर खतरे में हैं और अमेरिका में शरण मांग रहे हैं।' स्मिथ ने कहा, 'अब तक, अगले कुछ हफ्तों में 107 परिवारों के ऑस्टिन में स्थानांतरित होने की पुष्टि की गई है। सप्ताहांत में, टी के ऑस्टिन कार्यालय ने सात लोगों के परिवार को फिर से बसाया, और इस सप्ताह चार अतिरिक्त परिवारों का स्वागत करने के लिए कमर कस रहा है। हम जानते हैं कि यह इस लहर की शुरुआत है, और टी इस संकट में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।'

जो बाइडेन प्रशासन ने अफगानिस्तान सरकार को हथियार बिक्री पर रोक लगायी

वाशिंगटन। अमेरिका ने तालिबान द्वारा देश पर कब्जा किए जाने के बाद अफगानिस्तान सरकार को हथियारों की बिक्री पर रोक लगा दी है। रक्षा ठेकेदारों के लिए बुधवार को जारी किए गए एक नोटिस में विदेश विभाग के राजनीतिक/सैन्य मामलों के ब्यूरो ने कहा कि अफगानिस्तान को लंबित या हस्तांतरण नहीं किए गए हथियारों को लेकर समीक्षा की गई। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान में तेजी से बदलती परिस्थितियों के मद्देनजर रक्षा बिक्री नियंत्रण निदेशालय विश्व शांति को आगे बढ़ाने, राष्ट्रीय सुरक्षा और अमेरिका की विदेश नीति में उनकी उपयुक्तता निर्धारित करने के लिए सभी लंबित और जारी किए गए निर्यात लाइसेंस और अन्य मंजूरी की समीक्षा कर रहा है। नोटिस में कहा गया है कि वह आने वाले दिनों में रक्षा उपकरण निर्यातकों के लिए अद्यतन जानकारी साझा करेगा।

संभावित काबुल विस्थापितों की तलाश एवं बचाव के लिए तैयार नहीं : ऑस्टिन

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना के पास अफगानिस्तान में काबुल हवाईअड्डे को सुरक्षित करने के अपने मौजूदा मिशन को विस्तार देकर राजधानी में मौजूद अमेरिकियों और खतरे का सामना कर रहे अफगानों को एकत्र करने और उन्हें देश से सुरक्षित बाहर निकालने के लिए पर्याप्त बल एवं हथियार नहीं है। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने बुधवार को यह बात कही। राष्ट्रपति जो बाइडन की 31 अगस्त की समय सीमा से पहले देश छोड़ना चाह रहे लोगों को निकालने और हवाई अड्डे पर लाने संबंधी सवाल उन खबरों के बीच खड़ा हुआ है जिनमें कहा गया कि तालिबान चौकियों ने कुछ निर्धारित निकासियों को रोक दिया है। ऑस्टिन ने कहा, 'मेरे पास काबुल में मौजूदा अभियान को विस्तार देने की क्षमता नहीं है और आप इसे कहां ले जाएंगे? काबुल में आप किस हद तक विस्तार दे सकते हैं और उन बलों को यह करने में सक्षम बनाने के लिए कितना वक्त लगेगा?' सेना से अवकाश प्राप्त चार सितारा जनरल ऑस्टिन का काबुल में रविवार को तालिबान के कब्जा जमा लेने के बाद से पेंटागन संवाददाता सम्मेलन में दिया गया यह पहला बयान है। उन्होंने अफगानिस्तान में बलों की कमान संभाली थी। उन्होंने कहा कि वह मुख्य रूप से हवाई अड्डे पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिसे कई खतरों का सामना करना पड़ रहा है, जिनकी निगरानी जरूरी है।

अमेरिकी कांग्रेस पर कैपिटल दंगे से संबंधित फुटेज, अन्य रिकॉर्ड के लिए मुकदमा दायर

वॉशिंगटन। 6 जनवरी को हुए कैपिटल दंगे से संबंधित फुटेज और अन्य रिकॉर्ड के लिए कांग्रेस पर एक अमेरिकी स्वतंत्र पत्रकार ने यह कहते हुए मुकदमा दायर कराया है कि उन अभिलेखों को लोगों की नजर से छुपाना साबित करता है कि विधायी शाखा में पारदर्शिता की कमी है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार शॉन मुस्ग्रेव ने कोलंबिया डिस्ट्रिक्ट के लिए यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में दायर मुकदमे में एक जज से कांग्रेस पर एक्सेस के कॉमन लॉ राइट्स को मान्यता देने के लिए कहा, जो कि फ्रीडम ऑफ इंफॉर्मेशन एक्ट (एफओआईए) जैसे सार्वजनिक रिकॉर्ड कानूनों से मुक्त हैं। शिकायत में कहा गया है कि एफओआईए की अनुपयुक्तता का परिणाम, इन कार्यालयों से जनता को और अधिक पारदर्शिता की आवश्यकता के साथ संयोजन में, कम पारदर्शिता और उच्च गोपनीयता का कारण बना है।

इराक ने की तुर्की के हवाई हमले की निंदा

बगदाद। इराकी अधिकारियों ने उत्तरी निनवे प्रांत के सिंजर इलाके में तुर्की के एक विमान द्वारा किए गए हवाई हमले की निंदा की है, जिसमें संप्रभुता के उल्लंघन के लिए इसकी अस्वीकृति पर जोर दिया गया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधान मंत्री मुस्तफा अल-कदीमी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए इराकी मंत्रिस्तरीय परिषद ने सिंजर क्षेत्र की स्थिति और वहां सुरक्षा बनाए रखने के उपायों पर चर्चा करने के लिए बुधवार को एक बैठक की। अल-कदीमी के कार्यालय से एक बयान में कहा गया है कि परिषद ने एकतरफा सैन्य कार्रवाइयों की निंदा की है, जो अच्छे पड़ोस के सिद्धांतों को ठेस पहुंचाती हैं, साथ ही किसी भी पार्टी से स्कोर का निपटान करने के लिए इराकी क्षेत्र के उपयोग को खारिज कर दिया गया है। यह बैठक सिंजर शहर के पास पीकेके सदस्यों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली एक स्कूल इमारत पर ड्रोन द्वारा किए गए हवाई हमले के एक दिन बाद हुई, जिसमें पीकेके के 18 आतंकवादी मारे गए।

पाकिस्तान में शिया समुदाय के धार्मिक जुलूस को निशाना बनाकर किया गया विस्फोट,तीन मरे

मुल्तान (पाकिस्तान) (एजेंसी)।

पाकिस्तान में बृहस्पतिवार को शिया मुसलमानों के धार्मिक जुलूस को निशाना बनाकर किए गए शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक लोग घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। पूर्वी पंजाब प्रांत के रूढ़िवादी शहर बहावलनगर में यह विस्फोट हुआ। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में पुलिस और एंबुलेंस घटनास्थल की ओर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में घटनास्थल पर घायल

अनेक लोग मदद का इंतजार करते दिख रहे हैं।एक शिया नेता खावर शफकत ने एक बयान में बम विस्फोट की पुष्टि की, लेकिन कोई और जानकारी नहीं दी। इस बीच, अधिकारियों ने अशौरा उत्सव से एक दिन पहले देश भर में मोबाइल फोन सेवा को निलंबित कर दिया है।

गनी ने अफगानिस्तान लौटने का संकल्प लिया

दुबई। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी ने काबुल लौटने का संकल्प लिया है। वह काबुल में तालिबान के प्रवेश करने के बाद देश छोड़कर भाग गए थे। गनी ने बुधवार रात संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से एक लाइव फेसबुक प्रसारण के दौरान यह बयान दिया। उन्होंने कहा, मैं (संयुक्त अरब) अमीरात में हूं, लेकिन मैं जल्द ही अपने देश लौटूंगा। उन्होंने कहा वह घर लौटने से पहले दूसरों के साथ परामर्श कर रहे हैं। गनी ने कहा कि वह अफगानों के लिए न्याय हासिल करने के लिए काम करना जारी रखेंगे। गनी ने कहा, मुझे काबुल छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था, मैं राजधानी

में रक्तपात का कारण नहीं बनना चाहता था। उन्होंने आलोचकों को जवाब देते हुए कहा, जो लोग सोचते हैं कि मैं भाग गया हूं, उन्हें मुझे जज नहीं करना चाहिए, क्योंकि वे सभी विवरण नहीं जानते हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने रेखांकित किया कि वह खुद को देशद्रोही नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा, मैंने देश के साथ विश्वासघात नहीं किया। हम काबुल के लिए शांति चाहते थे और इसे नष्ट नहीं करना चाहते थे। मुझे उम्मीद है कि अफगानिस्तान में युद्ध समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा, इस विफलता के लिए हमारे सशस्त्र बल जिम्मेदार नहीं हैं, राजनेता दोषी हैं। गनी ने इस बात पर भी जोर दिया कि वह काबुल की सुरक्षा और सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण को सुनिश्चित करने के लिए तालिबान के साथ बातचीत कर रहे हैं। 15 अगस्त को तालिबान के काबुल में बिना किसी लड़ाई के प्रवेश करने और राजधानी पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित करने से कई घंटे पहले गनी अफगानिस्तान छोड़ चुके थे। उपराष्ट्रपति अमरुल्ला सालेह ने खुद को राष्ट्रीय संविधान के अनुसार कार्यवाहक अध्यक्ष घोषित किया है और राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में तालिबान के खिलाफ सशस्त्र प्रतिरोध करने का आह्वान किया है। दूसरी ओर पश्चिमी देश अपने नागरिकों और दूतावास के कर्मचारियों को अफगानिस्तान से निकाल रहे हैं।

जरुरी होने पर अमेरिकी सैनिक 31 अगस्त के बाद भी काबुल में रह सकते हैं: बाइडेन

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी को लेकर जनता की बढ़ती आलोचना के बीच राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वाशिंगटन अमेरिकियों को निकालने के लिए प्रतिबद्ध है। यदि जरुरी हुआ तो उसके सैनिक 31 अगस्त की समय सीमा के बाद भी काबुल में रह सकते हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को एबीसी न्यूज से बात करते हुए बाइडेन ने अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने के अपने फैसले का बचाव किया। यह पूछे जाने पर कि क्या जिस तरह से वहां से अमेरिकी सेना को हटाया गया, इससे बेहतर तरीके से संभाला जा सकता था। इस पर बाइडेन ने जवाब दिया, नहीं, मुझे नहीं लगता कि यह सब कैसे हो गया लेकिन हमारा आइडिया बिना किसी अराजकता फैलाये बाहर आने की थी, मुझे

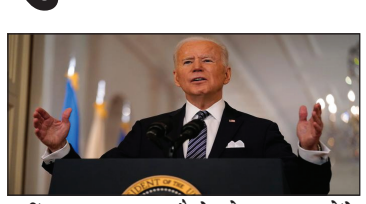

नहीं पता यह सब कैसे हो गया। उन्होंने कहा, जिन चीजों के बारे में हमें नहीं पता था उनमें से एक यह है कि तालिबान लोगों को बाहर निकलने से रोकने के लिए क्या करेगा। बाइडेन ने कहा, वे सहयोग कर रहे हैं। अमेरिकी नागरिकों को बाहर निकलने दे रहे हैं, लेकिन हमें उन लोगों के लिए कुछ और कठिनाई हो रही है, जिन्होंने वहां रहने पर हमारी मदद की। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना जमीन पर मौजूद अमेरिकियों को निकालने के लिए अफगानिस्तान में अपने मिशन को 31 अगस्त से आगे बढ़ा सकती है। अगर 31 अगस्त के बाद अमेरिकी बचे हैं तो वह क्या करेंगे, इस पर उन्होंने कहा, अगर अमेरिकी नागरिक बचे हैं, तो हम उन सभी को बाहर निकालने वाले हैं। अफगान सहयोगियों में से अमेरिका खाली करना चाहता है, उन्होंने कहा, प्रतिबद्धता सभी को बाहर निकालने के लिए है। वास्तव में, हम बाहर निकल सकते हैं। यही हम अभी कर रहे हैं। यही वह रास्ता है जिस पर हम चल रहे हैं और मुझे लगता है कि हम वहां तक पहुंचेंगे। साथ ही बुधवार को, राज्य के उप सचिव वेंडी शेरमेन ने कहा कि अमेरिकी सैन्य उड़ानों ने पिछले 24 घंटों में 2,000 से अधिक लोगों और पिछले कई दिनों में लगभग 5,000 लोगों को वहां से निकाला है। अफगानिस्तान में अमेरिकी दूतावास ने पहले दिन में एक सुरक्षा चेतावनी जारी करते हुए कहा, अमेरिकी सरकार हामिद करजई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित नहीं कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभी भी 15,000 अमेरिकी अफगानिस्तान में हैं।

ब्रिटेन के सांसदों ने अफगानिस्तान को लेकर जॉनसन की आलोचना की

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के सांसदों ने युद्धग्रस्त देश में तालिबान के कब्जे के बीच अफगानिस्तान में स्थिति से निपटने के तरीकों पर प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की आलोचना की। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को संसद के एक आपातकालीन सत्र में बोलते हुए, जॉनसन ने सांसदों से कहा कि अफगानिस्तान की सरकार का पतन अपेक्षा से अधिक तेजी से हुआ, लेकिन उन्होंने इस बात से इनकार किया कि उनकी सरकार इस सिलसिले में तैयार नहीं थी या इसकी कल्पना नहीं की थी। अफगानिस्तान में तेजी से विकसित हो रही स्थिति पर चर्चा करने के लिए आपातकालीन सत्र बुलाया गया था, जहां हजारों ब्रिटिश नागरिक और स्थानीय सहायक कर्मचारी अभी भी अफगानिस्तान में फंसे हुए हैं। दूसरी ओर काबुल के हवाई अड्डे पर अराजक निकासी के दृश्यों ने दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। मुख्य विपक्षी लेबर पार्टी के नेता कीर स्टारर ने कहा, अफगान बलों के लचीलेपन और तालिबान के बारे में हमारी सरकार की ओर से चौंका देने वाली आत्मसंतुष्टि एक बड़ा गलत अनुमान था। स्टारर ने इस तथ्य का उल्लेख किया कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने

फरवरी 2020 में अफगानिस्तान में अपनी सेना को वापस लेने का फैसला किया, जिसने ब्रिटेन को 18 महीने का समय दिया कि उसे अब क्या करना चाहिए। उन्होंने कहा, इस बहस में आज हम जिन समस्याओं का सामना कर रहे हैं, वे सभी ज्ञात समस्याएं थीं, और तैयारी की विफलता रही है। उन्होंने कहा, योजना की कमी माफी के लायक नहीं है। प्रधानमंत्री पर भारी जिम्मेदारी है। पूर्व प्रधान मंत्री थेरेसा मे ने भी अफगान स्थिति से निपटने के तौर-तरीकों के लिए जानसन की आलोचना की। मे ने पूछा, क्या अफगान सरकार के बारे में हमारी समझ इतनी कमजोर थी? क्या जमीन पर स्थिति के बारे में हमारा ज्ञान इतना अपर्याप्त था?

कौन हैं खुद को कार्यकारी राष्ट्रपति घोषित करने वाले अमरूल्ला सालेह ? जिन्होंने तालिबान के खिलाफ परचम किया बुलंद

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में फिर से तालिबान की वापसी के बाद अमेरिकी समर्थक अशरफ गनी सरकार गिर गई। राष्ट्रपति अशरफ गनी संयुक्त राष्ट्र अमीरात चले गए। राष्ट्रपति भवन पर तालिबानी चरमपंथियों ने कब्जा कर लिया। जिसके बाद उपराष्ट्रपति अमरूल्ला सालेह ने खुद को अफगानिस्तान का कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित किया। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि अफगानिस्तान का संविधान उन्हें ऐसा करने की शक्ति देता है।

अमरूल्ला सालेह ने दावा किया कि सप्ताहांत में काबुल में तालिबान के प्रवेश करने के साथ राष्ट्रपति अशरफ गनी के देश छोड़ कर चले जाने और उनका कोई अता-पता नहीं चलने के बाद उपराष्ट्रपति अब देश के वैध कार्यवाहक राष्ट्रपति हैं। उन्होंने कहा कि वह सभी नेताओं से संपर्क साध रहे हैं ताकि उनका समर्थन हासिल किया जा सके और सहमति बनाई जा सके।

कौन हैं अमरूल्ला सालेह ?

राष्ट्रपति अशरफ गनी के अफगानिस्तान छोड़कर चले जाने के बाद अमरूल्ला सालेह अकेले ही तालिबानियों के खिलाफ मोर्चा संभाले हुए हैं। आपको बता दें कि तालिबान ने 34 में से 33 प्रांतों में कब्जा कर लिया है लेकिन पंजशीर को नहीं जीत पाए हैं। ऐसे में अमरूल्ला सालेह ने उन्हें पंजशीर को जीतने की चुनौती दी है। अमरूल्ला सालेह खुद पंजशीर घाटी से आते हैं और वहीं से तालिबानियों के खिलाफ मोर्चाबंदी कर रहे हैं।

साल 1972 में जन्में अमरूल्ला सालेह बचपन में ही तालिबानी विरोधी आंदोलन का हिस्सा बन गए थे। बचपन में ही अनाथ हो जाने वाले अमरूल्ला सालेह की बहन का तालिबानियों ने अपहरण कर लिया था और फिर बाद में उनकी हत्या कर दी थी। जिसके बाद अमरूल्ला सालेह का तालिबान को लेकर नजरिया बदल गया था और फिर तालिबानी विरोधी आंदोलन का हिस्सा बन गए थे।

अमरूल्ला सालेह की किस्मत उस वक्त बदल गई जब उन्होंने अमेरिका में हुए आतंकवादी हमले के बाद सीआईए की मदद की थी। उन्होंने सीआईए के लिए एसेट का काम किया था और फिर अफगानिस्तान में अमेरिकी समर्थक सरकार बनने के बाद उन्हें साल 2004 में वहां की खुफिया एजेंसी का प्रमुख बनाया गया था।

राष्ट्रपति हामिद करजई से उनकी कम बनती थी क्योंकि वो तालिबान से बात करने के हिमायती थे। जबकि अमरूल्ला सालेह तालिबान के खिलाफ एक बड़ा नेटवर्क तैयार करने में जुटे थे। लेकिन जून 2010 में आतंकवादी हमले के बाद उन्हें खुफिया एजेंसी के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया।

आपको बता दें कि अमरूल्ला सालेह को पाकिस्तान का विरोधी माना जाता है। जब अफगानिस्तान में सोवियत संघ समर्पित सरकार थी तो उन्होंने अफगान बलों से दूरियां बना ली थी और मुजाहिद्दीन बलों में शामिल हो गए थे। इसके अलावा उन्होंने साल 1990 में गुरिल्ला कमांडर मसूद के साथ युद्ध लड़ा था।

हेफाजत-ए-इस्लाम प्रमुख जुनैद बाबूनगरी का चटगांव में निधन

ढाका (एजेंसी)।

आतंकवादी संगठन हेफाजत-ए-इस्लाम बांग्लादेश के प्रमुख जुनैद बाबूनगरी की गुरुवार को चटगांव के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। वह 68 वर्ष का था। उसके अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु के बारे में अधिक जानकारी फिलहाल नहीं मिल सकी है। इस बीच, एक विशेष पुलिस ब्यूरो (पीबीआई) की टीम ने पिछले साल सितंबर में तत्कालीन हेफाजत प्रमुख शाह अहमद शफी की मौत को तेज करने के लिए माहौल बनाने में शामिल होने के संबंध में बाबूनगरी सहित 43 लोगों के खिलाफ अपनी जांच रिपोर्ट अदालत को

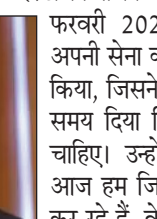

सौंपी थी। 1953 में चटगांव के फातिखरी उपजिला के बाबूनगर गांव में जन्मे बाबूनगरी ने पांच साल की उम्र में अल-जमियातुल इस्लामिया अजीजुल उलूम में दाखिला लिया और फिर, अल-जमियातुल अहलिया दारुल उलुम मोइनुल इस्लाम में 10 साल बिताए। 20 साल की उम्र में उसने पाकिस्तान के जामिया उलूम-उल-इस्लामिया में दाखिला लिया और वहां चार साल तक पढ़ाई की। 24 साल की उम्र में, उसने अल-जमियातुल इस्लामिया अजीजुल उलूम, बाबूनगर में पढ़ाना शुरू किया और फिर बाद में वह अल-जमीअतुल अहलिया दारुल उलुम मोइनुल इस्लाम में शामिल हो गया।

योगी का विरोधियों पर हमला, अयोध्या जाने से डरने वाले आज अपने को राम भक्त बता रहे

भूमाफिया की जमीन पर बनेंगे गरीबों और दलितों के लिए मकान

लखनऊ ।

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को ऐलान किया कि सरकार ने माफियाओं की जो जमीनें जब्त की हैं, वहां गरीबों और दलितों के लिए मकान बनाए जाएंगें। साथ ही उन्होंने 1 करोड़ युवाओं को स्मार्टफोन देने का भी ऐलान किया है। योगी ने ऐलान किया कि माफियाओं की जब्त की गई जमीन पर गरीबों और दलितों के लिए मकान बनाए जाएंगे। एक हजार योग्य युवाओं को टैबलेट या लैपटॉप दिए जाएगें। इसके लिए 3 हजार करोड़ रुपये का फंड रखा गया है।साथ ही 3 हजार करोड़ के फंड से 1 करोड़ युवाओं को स्मार्टफोन देने की योजना है। साथ ही तीन प्रतियोगी परीक्षाओं में जाने के लिए युवाओं को भत्ता देने की योजना भी आएगी।

सीएम योगी ने सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए मंहगाई भत्ता में बढ़ोतरी का ऐलान कर बताया कि 1 जुलाई से कर्मचारियों को 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ डीए मिलेगा। साथ ही वकीलों को पहले सामाजिक सुरक्षा के तहत 1.5 लाख रुपये मिलते थे,इस बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया गया है। सीएम योगी ने बताया कि सरकार निराश्रित हुई महिलाओं के लिए भी योजना लाने जा रही है।योगी ने विरोधियों पर हमला कर कहा कि जो अयोध्या में झांकते नहीं थे आज चिल्ला रहे हैं, कि राम हमारे हैं। ब्रजक्षेत्र में जो लोग कंस की प्रतिमा लगाने का दावा कर रहे थे, जिनके लिए राम कृष्ण साम्प्रदायिक होते थे, अब दंडवत होकर कह रहे हैं, कि हम भी राम भक्त हैं।

जो पहले सत्ता में थे तब कुंभ में कुछ अच्छा कर सकते थे, लेकिन कुंभ के लिए कुछ करते,तब टोपी लगाकर मुबारकबाद कैसे देते? अब टोपियां गायब हो गई हैं। सीएम योगी ने बताया, पिछले 5 साल में हमारा बजट दोगुना हुआ है। आज हम लगभग 6 लाख करोड़ रुपये का बजट बनाने में सफल हुए हैं। 5 साल पहले जीएसडीपी 10-11 लाख करोड़ थी। आज हम जीएसडीपा को 20-21 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने में सफल हुए हैं। 2015-16 में उत्तर प्रदेश देश अर्थव्यवस्था में छठे नंबर पर था और आज दूसरे नंबर पर है। हमारी सरकार ने प्रति व्यक्ति आय को दोगुना कर दिया है।

4 साल में 1 लाख 52 हजार कन्याओं की शादी कराई गई। उन्होंने बताया, पीएम आवास योजना आने के बाद 2017 तक केवल 10 हजार आवास स्वीकृत हुए थे और 2017 के बाद से अब तक 40 लाख आवास स्वीकृत हो चुके हैं। उन्होंने सदन में बताया कि उनकी सरकार में 4.5 लाख सरकारी नौकरियां दी गईं हैं।

हिंसा की सीबीआई जांच को राजी नहीं ममता सरकार सुप्रीम कोर्ट में देंगे चुनौती

कलकत्ता ।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा की जांच मामले में ममता सरकार को हाईकोर्ट से झटका लगा है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने चुनाव बाद हुई हिंसा मामले में सीबीआई की जांच का आदेश दिया है। हालांकि, इस फैसले से ममता सरकार खुश नजर नहीं आ रही है। ममता सरकार ने कहा है कि वह इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। हाईकोर्ट के इस फैसले भाजपा को अब हमला बोलने का मौका मिल गया है और उसने कहा है कि इस फैसले ने सरकार को उजागर कर दिया है। ममता बनर्जी के करीबी और टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने कहा कि मैं इस फैसले से नाखुश हूं। अगर हर कानून और व्यवस्था के मामले में, जो पूरी तरह से राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में है, सीबीआई का दखल होता है तो यह राज्य के अधिकार का उल्लंघन है। मुझे यकीन है कि राज्य सरकार स्थिति को समझेगी और अगर जरूरत हुई तो सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का निर्णय लेगी। वहीं, कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि हम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। लोकतंत्र में सभी को अपनी विचारधारा फैलाने का हक है मगर हिंसा फैलाने की इजाजत नहीं है। लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। वहीं, भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद की हिंसा राज्य सरकार के संरक्षण में हुई। कलकत्ता हाई

कोर्ट के आदेश ने सरकार की पोल खोल दी है। हम अदालत के आदेश का स्वागत करते हैंद्व बता दें कि कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश राजेश बिन्दल की अगुवाई वाली पांच सदस्यीय पीठ ने चुनाव के बाद कथित हिंसा के संबंध में अन्य आरोपों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन का भी आदेश दिया। पीठ ने कहा कि दोनों जांच अदालत की निगरानी में की जाएंगी। उसने केंद्रीय एजेंसी से आगामी छह सप्ताह में अपनी जांच रिपोर्ट पेश करने को कहा। एसआईटी में महानिदेशक (दूरसंचार) सुमन बाला साहू, कोलकाता पुलिस आयुक्त सौमेन मित्रा और रणवीर कुमार जैसे आईपीएस अधिकारी होंगे।

चुनाव बाद हिंसा केसः हाईकोर्ट के फैसले पर गौरव भाटिया बोले, टीएमसी के गुंडों ने अन्याय किया

नई दिल्ली ।

पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के बाद हत्या, दुष्कर्म जैसे संगीन मामलों की जांच सीबीआई करेगी। कलकता हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को गंभीर मामलों की जांच सीबीआई को सौंपने को कहा है। हाई कोर्ट के फैसले के बाद भाजपा ने ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि बंगाल में चुनाव के बाद हत्या और हिंसा रोक पाने में ममता बनर्जी असफल रही हैं और लोगों को इंसाफ दिलाने में भी ममता विफल रहीं। राज्य सरकार वर्दी का इस्तेमाल अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए कर रही थी। नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए गौरव भाटिया ने कहा कि उच्च न्यायालय के पांचों जजों ने एकमत से कहा है कि जिन निर्दोष लोगों ने उत्पीड़न सहा, जिनके परिजनों को मार दिया गया, जिन महिलाओं ने अस्मिता खोई है, उन्हें इंसाफ मिलना चाहिए, ये इंसाफ निष्पक्ष जांच के बाद ही संभव है। भाटिया ने कहा कि हमारे जो भाई बहन पश्चिम बंगाल में हैं, हम उन्हें ये संदेश जरूर देना चाहेंगे कि उनको इंसाफ मिले ये हमारी प्राथमिकता है। जब तक आपको इंसाफ नहीं मिलता तब तक भाजपा हर उस परिवार और पीड़ित के साथ खड़ी है, जिसके साथ टीएमसी के गुंडे और ममता बनर्जी ने अन्याय किया है।

हरियाणा की खट्टर सरकार ने गोरखधंधा शब्द के इस्तेमाल पर लगाई पाबंदी

हिसार ।

गोरखनाथ संप्रदाय की मांग पर हरियाणा की खट्टर सरकार ने 'गोरखधंधा' शब्द के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी है। मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने इसके पीछे का कारण भी बताया है। दरअसल, गोरखनाथ संप्रदाय से जुड़े एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर इस शब्द पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया था। आपको बता दें कि इस शब्द के इस्तेमाल से गोरखनाथ संप्रदाय के अनुयायियों को ठेस पहुंचती है। गोरखनाथ संप्रदाय के अनुरोध के बाद मनोहरलाल खट्टर सरकार ने इस शब्द पर प्रतिबंध लगा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखनाथ एक संत थे। ऐसे में इस शब्द का इस्तेमाल किसी भी तौर नहीं किया जाएगा। मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक गोरखनाथ 11वीं सदी के हिंदू योगी थे, जिन्हें भारत में नाथ हिंदू मठ आंदोलन का एक प्रभावशाली संस्थापक माना जाता है। उत्तर प्रदेश में गोरखनाथ मठ और गोरखापुर का नाम उन्हीं के नाम पर रखा गया है।

पेंशन लेने वाले व्यक्ति अपनी निजी जानकारी साझा न करें- मुंबई पुलिस

मुंबई।

पेंशनभोगियों के साथ धोखाधड़ी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं. इस फ्राड के मामले के बीच महाराष्ट्र साइबर सेल ने उन व्यक्ति को व्यक्तिगत जानकारी या विवरण साझा करने से मना किया है जो पेंशन लेते हैं. पुलिस ने कहा कि धोखाधड़ी करने वाले फ्राड पेंशनर के अकाउंट का एकसेस लेकर उनके पैसे अपने ई-वॉलेट में ट्रांसफर कर लेते हैं. मोडल ओपरेंडी के बारे में बताते हुए महाराष्ट्र साइबर सेल के एक वरिष्ठअधिकारी ने कहा कि फ्राड करने वाले क्रिमिनल उन पेंशनर व्यक्ति को टारगेट करते हैं जो नेटबैंकिग जैसी सुविधा से फ्रेंडली नहीं होते है. आरोपी फिर पेंशनभोगी के डेटाबेस में प्रवेश करता है. और उनकी व्यक्तिगत जानकारी निकालकर उन्हें संपर्क करता है. आरोपी इस दौरान खुद को सरकारी अधिकारी के रूप में खुद को पेश करता है, और पेंशनकर्ता को उसके पर्सनल डिटेल देने को कहता है. अधिकारी ने यह भी कहा कि इसके बाद आरोपी पेंशनकर्ता को उसके फोन में आया ओटीपी शेयर करने को कहता है. बिना किसी खतरे के एहसास हुए पेंशनकर्ता सारी डिटेल आरोपी को मुहैया करा देते हैं. एक बार ओटीपी के मिलने के बाद आरोपी पेंशनकर्ता के खाते से सारे पैसे अपने अकाउंट में ट्रासफर कर लेता है. इस घटना के बाद पेंशनकर्ता को यह एहसास होता है कि उसके साथ चीटिंग हुई है और वह धोखाधड़ी का शिकार हो गया है.

पुलिस ने इस तरह की घटना को देखते हुए ही पेंशनधारियों को सतर्क रहने के लिए कहा है. उन्होंने कहा किसी भी पेंशनधारी को कभी भी अपना ओटीपी शेयर नहीं करना चाहिए. अगर ऐसा कोई कॉल आए तो तुरंत पुलिस से संपर्क करें.

हिमाचल में अचानक बढ़े कोरोना मरीज, सीएम ने कान्टेक्ट ट्रेसिंग पर ध्यान केंद्रित करने का आदेश

शिमला ।

हिमाचल के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने प्रदेश में कोरोना मामलों में अचानक आई वृद्धि को देकर राज्य के सभी उपायुक्तों को विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में कान्टेक्ट ट्रेसिंग पर ध्यान केंद्रित करने का आदेश दिए। सीएम ठाकुर ने कहा कि राज्य में वर्तमान में कोरोना के लगभग 2700 सक्रिय मामले हैं और चिंता का विषय हैं, कि बहुत ही कम समय में मामलों में वृद्धि हुई हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से अधिकांश मामले सामने आए हैं, जबकि प्रमुख पर्यटन स्थलों सहित शहरी क्षेत्रों में बहुत कम मामले सामने आए हैं, जो दर्शाता है कि पर्यटकों के आने का राज्य के विभिन्न हिस्सों में कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। उन्होंने कहा कि महामारी के फैलने के प्रमुख कारण सामाजिक समारोह, विवाह समारोह, दावतें आदि हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पर्याप्त आक्सीजनयुक्त और सामान्य बिस्तर,ऑक्सीजन कन्संट्रेटर, परीक्षण किट और वेंटिलेटर हैं और 28 अतिरिक्त पीएसए संयंत्र स्थापित करने का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि आठ पीएसए संयंत्रों पर कार्य पहले ही पूरा हो चुका है तथा 31 अगस्त, 2021 तक दस और पीएसए संयंत्रों के कार्य पूर्ण हो जाएंगे। कुल्लू,मंडी, शिमला, चंबा और किन्नौर के जिला प्रशासन को इन जिलों के विभिन्न हिस्सों में चल रहे सेब सीजन को ध्यान में रखते हुए मजदूरों की जांच की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शीघ्र ही कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए और प्रतिबंध लगाने और स्कूलों को फिर से खोलने पर विचार करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य ने टीकाकरण अभियान में शून्य प्रतिशत बर्बादी के साथ बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि टीकाकरण अभियान को तीव्र करने की आवश्यकता है, क्योंकि टीकाकरण इस वायरस को रोकने का सबसे सुदृढ़ उपाय है।सीएम ठाकुर ने कहा कि हमीरपुर, कुल्लू, बिलासपुर, किन्नौर और लाहौल-स्पीति जिलों ने पहली खुराक के लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूरा कर लिया है और दस दिनों के भीतर 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों का टीकाकरण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में 29 प्रतिशत लोगों ने दूसरी खुराक ली है और नवम्बर, 2021 तक राज्य के सभी लोगों का टीकाकरण होगा। मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों को पीएसए संयंत्रों की स्थापना के लिए सिविल और विद्युत कार्यों की निगरानी करने के निर्देश दिए ताकि मरीजों को यह सुविधा शीघ्रातिशीघ्र उपलब्ध हो।

ममता की चाय पार्टी में पहुंचे बंगाल भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष, अटकलों का बाजार गर्म

कोलकाता ।

राजनीति में ना दुश्मन है और ना ही दोस्त, राजनीति में बनते-बिगड़ते समीकरणों के बीच दोस्ती और दुश्मनी भी बनती-बिगड़ती रहती है। पश्चिम बंगाल में फिर से सत्ता में वापसी के बाद ममता बनर्जी सियासी समीकरणों को अपने पक्ष में साधने की कोशिश में जुट गई हैं। हाल में ही बंगाल में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष को ममता बनर्जी की ओर से चाय पर आमंत्रण मिला। भले ही यह औपचारिक राजनीतिक मुलाकात हो सकती है, लेकिन बंगाल की राजनीति को लेकर अटकलों का बाजार गर्म हो गया हैं। विश्लेषकों का दावा है कि ममता अब भाजपा की राह पर निकल चुकी हैं। जिस तरह विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा तृणमूल कांग्रेस को तोड़ने में जुटी थी, वहीं काम ममता बनर्जी करने की कोशिश में हैं।ममता भाजपा को बांटने की कवायद में जुट गई हैं। पहले मुकुल रॉय को पार्टी में वापस लिया, अब उनकी नजर दिलीप घोष पर है। दरअसल, स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ममता ने एक चाय पार्टी रखी थी। चाय पार्टी में भाजपा नेता दिलीप घोष, तथागत रॉय और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद थे। इसी दौरान ममता बनर्जी ने दिलीप घोष को राज्य सचिवालय में चाय पर आमंत्रण दिया।साथ ही मुख्यमंत्री की ओर से दिलीप घोष को काली पूजा का न्यौता भी दिया गया। दिलीप घोष ने भी ममता का आमंत्रण स्वीकार किया, इसके बाद बंगाल भाजपा में इस लेकर खूब चर्चा है। बता दें कि पश्चिम बंगाल में दिलीप घोष भाजपा का मजबूत चेहरा माने जाते हैं।घोष के अलावा मुकुल रॉय और बाबुल सुप्रियो भी बंगाल भाजपा के कद्दावर नेताओं में से थे। लेकिन मुकुल रॉय अपनी पुरानी पार्टी में लौट चुके हैं,वहीं बाबुल सुप्रियो ने भाजपा से अगल हो चुके है। विधानसभा चुनाव के बाद कई भाजपा नेता तृणमूल में शामिल हो गए थे। दिलीप घोष के समर्थक उन्हें बंगाल में भाजपा को फिर से जीवित करने का श्रेय देते हैं। हाल में ही शुभेंदु अधिकारी को विपक्ष का नेता नियुक्त करने पर मुकुल रॉय नाराज हो गए थे और माना जा रहा है कि दिलीप घोष भी पार्टी के कदम से नाराज हैं।

दो खेलों को गोद लेगी योगी सरकार

मेजर ध्यानचंद के नाम पर बनेगा खेल विश्वविद्यालय-योगी

लखनऊ।

टोक्यो ओलम्पिक में पदक जीतकर भारत का परचम बुलन्द करने वाले खिलाड़ियों का गुरुवार को योगी आदित्यनाथ ने सम्मानित और पुरस्कृत किया। इस मौके पर उन्होंने घोषणा की है कि प्रदेश सरकार मेरठ में मेजर ध्यानचंद्र के नाम पर एक खेल विश्वविद्यालय बनाएगी। इसके अलावा, प्रदेश दो खेलों को गोद लेगी जिनका अगले 10 वर्षों तक वित्त पोषण किया जाएगा। इसमें एक कुश्ती है और दूसरा कोई अन्य खेल होगा। साथ ही उन्होंने यह भी ऐलान किया कि लखनऊ में एक कुश्ती अकादमी की भी स्थापना की जाएगी। राजधानी लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में आयोजित भव्य समारोह में टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुरस्कृत किया। प्रदेश सरकार की तरफ से जैवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीतने वाले नीरज चोपड़ा को सर्वाधिक दो करोड़ रुपये की इनामी राशि व पुरुष हॉकी टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को एक-एक करोड़ रुपये की राशि का चेक प्रदान किया गया। समारोह में प्रदेश भर के 75 जिलों से जिलेवार 75-75 खिलाड़ी शामिल हुए। समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि यह हमारे लिए गर्व करने का मौका है जब हम ओलंपिक पदक विजेताओं का सम्मान कर रहे हैं। यह पहला मौका है जब भारत ने ओलंपिक के अब तक के इतिहास में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि जो भी व्यक्ति अपने क्षेत्र में बेहतरीन काम करता है उसका सम्मान किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कुश्ती फेडरेशन के प्रस्ताव को हमने स्वीकार किया है, और हम खिलाड़ियों के डाइट मनी को 250 रुपए से बढ़ाकर 375 रुपए करने जा रहे हैं। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रदेश में डिप्टी एसपी बनाने का प्रस्ताव भेजा जाएगा। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता और एशियन प्रतियोगिता में भी अनुदान राशि को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। अलग-अलग के जनपदों में भी कार्यक्रम हो रहे हैं और हर जनपद में 75 खिलाड़ियों का सम्मान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में तीन स्पोर्ट्स कॉलेज प्रदेश में संचालित है, सरकार खेल प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रोत्साहन राशि देती है।

मुझे विश्वास है कि टोक्यो में इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन से हमारे प्रदेश के खेल प्रतिभागी भी प्रोत्साहित होंगे। हमारी सरकार ने हर गांव में एक खेल मैदान बनाने का निर्णय किया है और ग्राम पंचायत पर ओपन जिम निर्माण का निर्णय है। उत्तर प्रदेश सरकार हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी खोलने का ऐलान करती है। 16 खेल के लिए 44 छात्रावास संचालित हो रहा। जिसमें बेहतर सुविधाएं दी जा रही हैं। समारोह में मौजूद राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि खेलेगा युवा बढेगा युवा नारे के साथ देश लड़की ने मान सम्मान बढ़ाया।

पहले लड़कियों की खेलने किया जाता था, लेकिन लड़कियों ने बेड़ियों को तोड़ दिया। मुख्यमंत्री योगी ने एक खिलाडी का सम्मान नहीं किया, उन्होंने प्रत्येक खिलाड़ियों का सम्मान किया हैं।

संक्षिप्त समाचार

उत्तराखंड दौरे पर जेपी नड्डा ने जागेश्वर मंदिर में की पूजा अर्चना -साधु-संतों का लेंगे आशीर्वाद, पूर्व सैनिकों के साथ भी करेंगे बैठक

अल्मोड़ा। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने दी दिवसीय उत्तराखंड दौरे के पहले दिन आज अल्मोड़ा जिले के जागेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना की। नड्डा का यह दौरा उत्तराखंड विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर बेहद अहम माना जा रहा है। सूत्रों का दावा है कि अपने इस दौरे के दौरान नड्डा पार्टी के सभी पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। पदाधिकारियों के साथ होने वाली बैठक में चर्चा उत्तराखंड विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर हो सकती है। इन सबके बीच खबर यह है कि जेपी नड्डा 20 अगस्त को हरिद्वार जाएंगे और वहां साधु-संतों से आशीर्वाद लेंगे। सूत्र यह भी बता रहे हैं कि जेपी नड्डा की साधु-संतों से मुलाकात कहीं ना कहीं पार्टी की रणनीति का हिस्सा है। इसके अलावा वह राज्य के पूर्व सैनिकों के साथ भी 21 अगस्त को बैठक करेंगे। उनसे चुनाव संबंधित सुझाव लेंगे और समर्थन की अपील करेंगे। पूर्व सैनिकों के साथ जेपी नड्डा की यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब आम आदमी पार्टी की ओर से पूर्व आर्मी ऑफिसर को अपना सीएम उम्मीदवार घोषित किया गया है। एक भाजपा नेता ने बताया कि पूर्व सैनिकों को इस बात की जानकारी दी जाएगी कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेना मजबूत हुई है। पार्टी की मानें तो नड्डा अपने इस दौरे में कुल 11 बैठक कर सकते हैं। जेपी नड्डा ब्लाक प्रमुखों, नगर पंचायत प्रमुखों के साथ ही पार्टी के सांसद और विधायकों के साथ भी बैठक करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री भी अलग-अलग बैठकों में शामिल होंगे।

कोलकाता की कंपनी के सीएमडी को सीबीआई ने पालघर से किया गिरफ्तार

पालघर। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कोलकाता की एक निजी कंपनी के मुख्य प्रबंध निदेशक (सीएमडी) को चिटफंड मामले में मुंबई से सटे पालघर से गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार रूबी स्टार मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य प्रबंध निदेशक (सीएमडी) दिबाकर दास को गिरफ्तारी के बाद कोलकाता की एक अदालत में पेश किया गया और उन्हें पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। बताया गया है कि सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 8 जून, 2017 को दिबाकर दास और उनकी कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। यह आरोप लगाया गया था कि दिबाकर दास ने परिपक्वता पर इस तरह के निवेश पर उच्च रिटर्न का भुगतान करने के आश्वासन पर विभिन्न धोखाधड़ी योजनाओं के तहत निवेशकों से 38 करोड़ रुपये की अवैध रूप से एकत्र की गई राशि को समाप्त करने के लिए एक साजिश में प्रवेश किया था और बाद में इसे बंद कर दिया था। ऑपरेशन, निवेशकों को उनकी देय राशि के लिए धोखा देकर भाग गए, और कंपनी के साथ निवेश किए गए धन का दुरुपयोग किया। कंपनी के खाते से सीएमडी के बैंक खाते में 5.65 करोड़ रुपये की राशि भी डायवर्ट कर दी गई, जिसे आरोपी ने गबन कर लिया था।

यायायात नियमों के उल्लंघन पर पंद्रह दिनों के भीतर अपराधी को नोटिस भेजना होगा

नई दिल्ली। सड़क परिवहन मंत्रालय की नई अधिसूचना के मुताबिक राज्य प्रवर्तन एजेंसियों को यायायात नियमों के उल्लंघन से संबंधित अपराध होने के पंद्रह दिनों के भीतर अपराधी को नोटिस भेजना होगा। साथ ही चालान के निपटान तक इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड संग्रहीत करना होगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और सड़क सुरक्षा के प्रवर्तन के लिए संशोधित मोटर वाहन अधिनियम 1989 के तहत एक अधिसूचना जारी की है, जिसमें चालान जारी करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग किया जाएगा। मंत्रालय ने ट्वीट किया, अपराध की सूचना अपराध की घटना के पंद्रह दिनों के भीतर होगी और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के माध्यम से एकत्र किए गए इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को चालान के निपटारे तक संग्रहीत किया जाना चाहिए।'' नए नियमों के तहत यातायात कानूनों का पालन कराने के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रमुखता से इस्तेमाल किया जाएगा। इनमें गति पकड़ने वाला कैमरा, सीसीटीवी कैमरा, स्पीड गन, शरीर पर धारण करने वाला कैमरा, मोटर के डैशबोर्ड पर लगाने वाला कैमरा, ऑटोमेटिक नंबर प्लेट की पहचान सम्बंधी उपकरण (एएनपीआर), वजन बताने वाली मशीन और अन्य प्रौद्योगिकियां शामिल हैं।राज्य सरकारें यह सुनिश्चित करेंगी कि यातायात कानूनों का पालन कराने वाले सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को राष्ट्रीय राजमार्गों और राज्य राजमार्गों के अति जोखिम और अति व्यस्त रास्तों पर लगाया जाए।

यूपी के मयंक काबुल में फंसे, परिजनों को वापसी की उम्मीद बरकरार

जौनपुर। अफगानिस्तान की तालिबान काबिज हो गया है। इसके बाद से वहां हालात नियंत्रण से बाहर हो गए हैं। लोग किसी भी तरह अपनी जान बचाने के लिए अफगानिस्तान छोड़ने की कोशिश में जुटे हुए हैं। भारत की ओर से वहां फंसे भारतीयों को लाने की तैयारी शुरू तो हो गई है, लेकिन अब भी बहुत से भारतीय हैं जो वहां फंसे हुए हैं। ऐसे ही एक हैं उत्तर प्रदेश के जौनपुर के रहने वाले मंयक सिंह। काबुल के एक स्टील प्लांट में जनरल मैनेजर के पद पर तैनात मयंक सिंह अब तक भारत नहीं आ सके हैं। जौनपुर में उनके परिवार का रो-रोकर बुरा हाल हो चुका है। वो मयंक की सुरक्षित वापसी के लिए सरकार से गुहार लगा रहे हैं। वैसे तो मयंक रोज फोन पर अपने घर वालों से बात कर रहे हैं और अपने सुरक्षित होने की जानकारी दे रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद उनके माता-पिता और बच्चों के हलक से खाना नीचे नहीं जा रहा है। रात में सो नहीं पा रहे हैं। उन्हें मयंक की चिंता सताए रहती है। काबुल की खान स्टील्स लिमिटेड में मयंक ने 2016 में नौकरी शुरू की थी। ये स्टील प्लांट काबुल एयरपोर्ट के पास ही है। मयंक के अलावा 27 और भारतीय भी इस प्लांट में नौकरी करते हैं। पिता सत्य प्रकाश सिंह बताते हैं कि उनका बेटा मयंक नवंबर 2020 में भारत आने वाला था, लेकिन कोरोना के चलते आ नहीं सका। इसके बाद इसी साल जून में भी उसने लौटने की कोशिश की, लेकिन कंपनी वालों ने प्रमोशन देकर रोक लिया। मयंक के परिवार में पिता सत्य प्रकाश सिंह, मां प्रेमलता, पत्नी आंचल और एक 17 साल का बेटा है। इनके अलावा छोटे भाई हिमांशु (28) और शशांक (25) और बहन आकांक्षा भी हैं। सभी को मयंक के लौटने का इंतजार है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के गांधी बाग में एक बार फिर चंदन के पेड़ों की चोरी, ठोस कदम नहीं उठाए जाने पर नगर पालिका की सुरक्षा पर उठे सवाल

क्रांति समय संवाददाता

सूरत के चौक इलाके में स्थित गांधी बाग में अक्सर चोरी की घटनाएं होती रहती हैं। लेकिन, हमेशा की तरह निगम का सिस्टम फिर से सो गया है। आज सुबह गांधी बाग में नियमित रूप से मॉर्निंग वॉक के लिए आ रहे एक समाजसेवी को एक चंदन का पेड़ दिखाई दिया। उसने देखा कि चंदन के पेड़ काटे गए और चोरी हो गए थे। उन्होंने घटना की जानकारी निगम के अधिकारियों को दी और पूरी घटना का पता चला.

बाग के पास गांधी बाग थाने में कीमती चंदन के पेड़ काटने के मामले में निगम की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है. अठवा थाने के काफी नजदीक है। फिर भी, एक का मालिक होना अभी भी औसत व्यक्ति की पहुंच से बाहर है। इतना ही नहीं, निगम के बगीचे में और उसके आसपास सीसीटीवी होने के बावजूद तस्कर पेड़ों को काटने में कामयाब हो जाते हैं। निगम के लिए शर्म की बात यह है कि चंदन के पेड़ों की बार-बार चोरी होने के बावजूद वे उचित सुरक्षा मुहैया नहीं करा पा रहे हैं.

सीसीटीवी चेक किए गए के बाद निगम के अधिकारियों सो जागा, वह करने के लिए चेक सीसीटीवी फुटेज शुरूकर दिया। लेकिन अभी तक सीसीटीवी फुटेज में कोई बड़ी सफलता हाथ नहीं लगी है. बार-बार हो रही घटनाओं के बाद भी निगम के अधिकारी इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। हालांकि अठवा थाना गांधीनगर से 200 मीटर की दूरी पर भी नहीं है, लेकिन वहां लगातार हो रही चोरी या पुलिस की गश्त पर सवाल खड़ा कर रही है.

सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा, "मैं नियमित रूप से सुबह की सैर के लिए गांधी बाग आती हूं।" मॉर्निंग वॉक करने और यहां के औजारों का इस्तेमाल करने के बाद मेरी नजर अचानक एक चंदन के पेड़ पर पड़ी। जैसे ही मैंने करीब से देखा, मुझे एहसास हुआ कि पेड़ काट दिया गया था और चोरी हो गया था। इस बारे में मैंने तुरंत निगम के उद्यान कार्यालय के अंदर अधिकारियों को सूचित किया. तब अधिकारियों ने आकर देखा कि चंदन का पेड़ काटा जा चुका है। यहां अक्सर लोहे की रेलिंग भी चोरी हो जाती है। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए निगम को तत्काल ठोस कदम उठाने चाहिए।

स्थानीय लोगों ने सुरक्षा पर सवाल खड़ा किया है क्योंकि पूर्व में चोरी हो चुकी है।

नहर के किनारे-किनारे भटकती हुई मूर्तियाँ भी मिलीं।

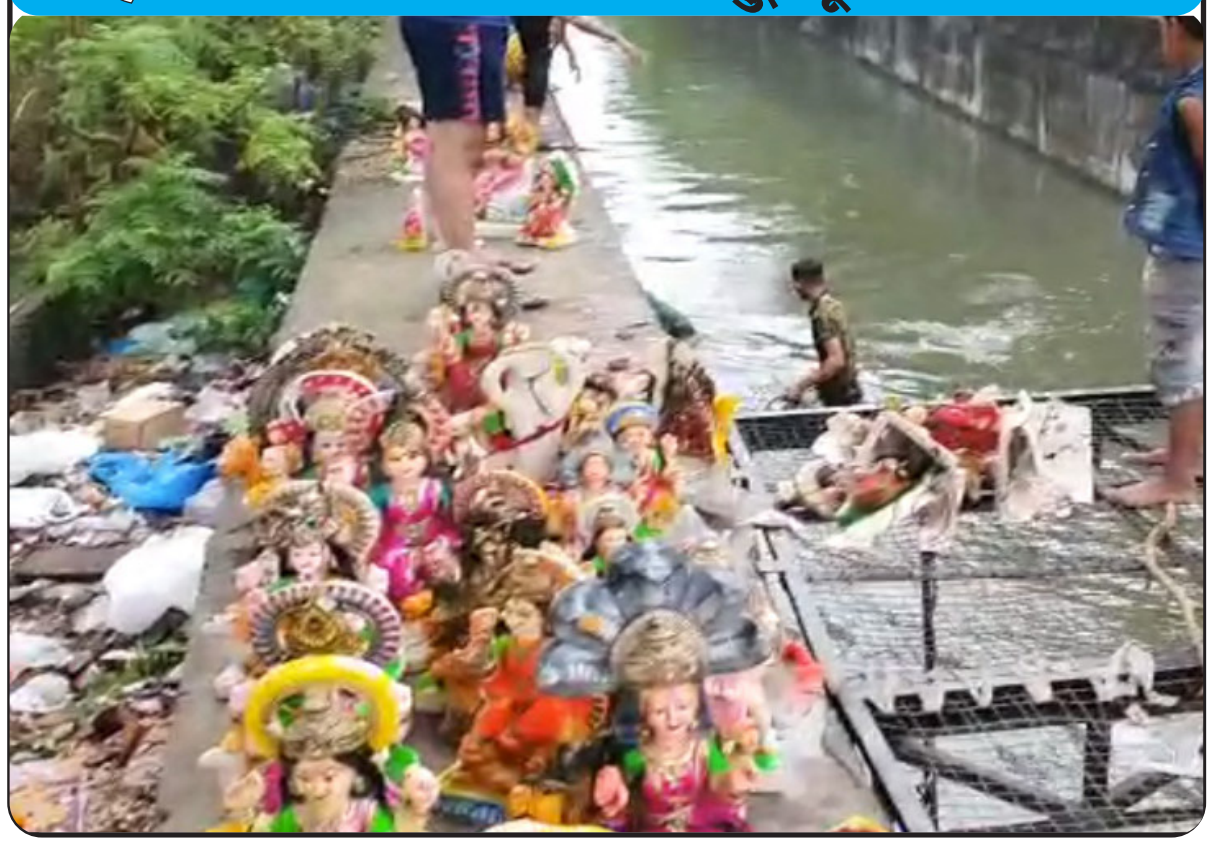

महुवा-सुरत स्पेशल ट्रेन की फ्रीक्वेंसी बढ़ी, अब यह ट्रेन 20 अगस्त से सप्ताह में 5 दिन चलेगी

क्रांति समय संवाददाता

सुरत,यात्रियों की मांग एवं उनकी सुविधा के लिए रेल प्रशासन द्वारा 20 अगस्त, 2021 से महुवा-सुरत स्पेशल ट्रेन की फ्रीक्वेंसी बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। अब यह ट्रेन सप्ताह में 5 दिन चलेगी। इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है-

1. ट्रेन नंबर 09050/09049 महुवा-सुरत-महुवा सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन (सप्ताह में 5 दिन)

ट्रेन संख्या 09050 महुवा-सुरत सुपरफास्ट स्पेशल महुवा से 19:35 बजे प्रस्थान कर अहमदाबाद स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान का समय 02:15/02:35 रहेगा और अगले दिन 6:35 बजे सुरत पहुंचेगी। यह ट्रेन 20 अगस्त, 2021 से अगली सूचना तक सप्ताह में 5 दिन मंगलवार, बुधवार, शुक्रवार, रविवार और सोमवार को चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09049 सुरत-महुवा सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन सुरत से 22:00 बजे प्रस्थान कर अहमदाबाद स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान का समय 02:00/02:20 रहेगा और अगले दिन 9:05 बजे महुवा पहुंचेगी। यह ट्रेन 21 अगस्त, 2021 से अगली सूचना तक सप्ताह में 5 दिन सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, शनिवार और रविवार को चलेगी। यह ट्रेन रास्ते में दोनों दिशाओं में राजुला, सावरकुंडला, ढसा, धोला, बोटाद, सुरेंद्रनगर गेट, विरमगाम, अहमदाबाद और वड़ोदरा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और सेकेंड क्लास सीटिंग कोच शामिल हैं।

सूरत और महुवा के बीच ट्रेन को हरी झंडी दे दी गई।

2. ट्रेन संख्या 09097 सुरत-महुवा स्पेशल 19 अगस्त, 2021 को सुरत से 16:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 4:15 बजे महुवा पहुंचेगी। यह ट्रेन मात्र 1 दिन चलेगी।

3. मूला ट्रेन नंबर 12945/12946 (09071/09072 स्पेशल) सुरत-महुवा-सुरत सुपरफास्ट एक्सप्रेस 25 अगस्त, 2021 से दोनों दिशाओं से कैंसिल रहेगी।

यात्री इन स्पेशल ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

भावनगर से दिल्ली और मुंबई के लिए आज से सीधी हवाई सेवा शुरूहोगी

क्रांति समय संवाददाता

भावनगर & सूरत, शुक्रवार से भावनगर से दिल्ली और मुंबई के बीच सीधी हवाई सेवा का प्रारंभ होगा। साथ ही 21 अगस्त से भावनगर से सूरत के बीच हवाई सेवा शुरू हो जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'उडे देश का आम आदमी' 'उडान योजना' के तहत देश के छोटे शहरों को एयर कनेक्टिविटी से जोड़ने का अभियान शुरूकिया है। इसके अंतर्गत 20 अगस्त से भावनगर से दिल्ली और मुंबई के बीच सीधी हवाई सेवा का शुभारंभ होगा। जबकि 21 अगस्त से भावनगर से सूरत के लिए हवाई सेवा शुरूहोगी। शुक्रवार को दोपहर भावनगर हवाई अड्डे से स्पाइस जेट की फ्लाइट को मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और केन्द्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया वर्च्युअली हरी झंडी दिखाकर नई विमान सेवा का प्रारंभ करेंगे। इस मौके पर गुजरात भाजपा प्रमुख और सांसद सीआर पाटील, भारतीबेन शियाल, राज्य के शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा, शिक्षा राज्यमंत्री विभावरीबेन दवे, मत्स्योद्योग राज्यमंत्री परसोत्तम सोलंकी, विधायक जीतु वाघाणी समेत अन्य महानुभाव मौजूद रहेंगे। भावनगर गुजरात का एक ऐसा शहर है जो तेजी से विकास कर रहा है। भावनगर व्यापार-उद्योग का महत्वपूर्ण केन्द्र होने के साथ ही मध्यम एवं छोटे उद्योगों का केन्द्र है। भावनगर के अलंग में दुनियाभर के जहाज तोड़े जाते हैं। भारत सरकार की नई स्क्रैप नीति लागू होने के बाद अब भावनगर में पुराने वाहन भी तोड़ने के लिए लाए जाएंगे। इसके अलावा भावनगर के पालीताणा में जैन समुदाय का पवित्र तीर्थस्थान है। काले हिरनों का विख्यात अभ्यारण भी भावनगर के वेलावदर में है। ऐसी अनेक गतिविधियों से जुड़े भावनगर को नई एयर कनेक्टिविटी मिलने से भावनगर के लोगों के लिए अंतरराज्यीय समेत अंतर्राष्ट्रीय यात्रा का भी नया द्वार खुलेगा।

20 अगस्त से भावनगर से दिल्ली और मुंबई के लिए मंगलवार और शनिवार को छोड़ अन्य दिनों में हवाई सेवा उपलब्ध होगी। वहीं भावनगर से सूरत के लिए गुरुवार, शनिवार और रविवार को विमान उड़ान भरेगा।

गुजरात हाईकोर्ट ने लव जिहाद कानून के कई प्रावधानों पर लगाई रोक

अहमदाबाद ,गुजरात हाईकोर्ट ने इसी साल जून महीने से लागू हुए लव जिहाद कानून के कई प्रावधानों पर रोक लगा दी है। गुजरात धर्म स्वतंत्रता (संशोधन) कानून की धारा 3, 3ए, 4, 4ए, 4सी, 5, 6 और 6ए में किए गए संशोधन के लागू पर हाईकोर्ट ने रोक लगाई है। हाईकोर्ट का मानना है कि अंतर धार्मिक विवाह के मामलों में केवल शादी के आधार पर एफआईआर दर्ज नहीं हो सकती। इसके अलावा जबरन दबाव या छल कपट से शादी हुई है, यह प्रमाणित किए बगैर भी एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती।

संघ की शाखा से लौट रहे नाबालिग लड़के से अप्राकृतिक दुष्कर्म,आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय संवाददाता

राजकोट,राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की शाखा से अपने घर लौट रहे नाबालिग लड़के के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म के आरोपी को राजकोट की प्रद्युम्नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी को पहले भी ऐसी ही मामले में सात साल की सजा हुई है और कुछ समय पहले पेरोल पर रिहा होने के बाद फिर एक बार ऐसी घटना को अंजाम दिया है। राजकोट पुलिस के मुताबिक गत 8 अगस्त को 13 वर्षीय लड़का संघ की शाखा से अपने घर की और लौट रहा था। उस वक्त सदर बाजार में दिलावर खान पठान नामक शख्स ने लड़के को रोक और उसे टेनिस बॉल दिलाने की लालच दी। दिलावर की बातों में आकर लड़का उसके साथ चल दिया। दिलावर लड़के को लेकर राजकोट सिविल अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम के निकट निर्जन स्थान पर ले गया। जहां लड़के के हाथ बांध दिया और उसके साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म किया। मौका मिलते ही लड़के अपने हाथ खोले और दिलावर को पत्थर मारकर वहां से भाग निकला। घर पहुंचकर लड़के ने परिवार से घटना की शिकायत की। बाद में परिवार ने राजकोट के प्रद्युम्ननगर पुलिस थाने में दिलावर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। पुलिस ने सदर बाजार समेत अन्य स्थलों के सीसीटीवी फूटेज खंगाले और उसके आधार पर दिलावर खान पठान को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि वर्ष 2018 में दिलावर खान ने इसी प्रकार अप्राकृतिक दुष्कर्म किया था और इस मामले में कोर्ट ने उसे 7 साल की सजा सुनाई थी। कुछ समय पहले ही दिलावर पेरोल पर छूटकर बाहर आया था और फिर एक बार नाबालिग लड़के को अपना शिकार बनाया।

पांच दिन बारिश के अनुमान के बीच 24 घंटों में राज्य की 91 तहसीलों में बारिश

क्रांति समय संवाददाता

अहमदाबाद,लंबे विराम के बाद मान्सून फिर एक बार सक्रिय हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले पांच दिन राज्य में बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुमान के बीच पिछले 24 घंटों में राज्य की 81 तहसीलों में बारिश हुई है। जिसमें सबसे अधिक वापी में चार ईंच बारिश दर्ज हुई। वहीं बारडोली में 99 मिमी, पारडी में 97 मिमी, कामरेज में 92 मिमी, महुवा में 84 मिमी, पलसाणा में 84 मिमी, आहवा में 78 मिमी, वघई में 73 मिमी, चीखली में 61 मिमी, सूरत शहर में 60 मिमी, उमरगाम में 54 मिमी, वलसाड में 52 मिमी, व्यारा में 49 मिमी, डोलवन में 48 मिमी, चौर्यासी में 48 मिमी, नवसारी में 45 मिमी, खेरगाम में 42 मिमी, मांगरोल में 40 मिमी, सोनगढ़ में 36 मिमी, जलालपोर में 36 मिमी, वालोड में 35 मिमी, ओलपाड में 34 मिम, संखेडा में 33 मिमी, कपराडा में 33 मिमी, गणदेवी में 30 मिमी, धरमपुर में 30 मिमी, मांडवी में 28 मिमी, सुबीर में 27 मिमी, फतेपुरा में 25 मिमी, उमरपाडा में 25 मिमी, विजयनगर में 22 मिमी, वालिया में 22 मिमी, झालोद में 16 मिमी, जेसर में 15 मिमी, हांसोट में 14 मिमी, महुवा में 12 मिमी, कुकरमुंडा में 12 मिमी, नसवाडी में 10 मिमी और गरुडेश्वर में 10 मिमी बारिश हुई है। जबकि अन्य तहसीलों में 1 से 9 मिमी तक बारिश दर्ज हुई। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक दक्षिण गुजरात के डांग जिले में बारिश हो रही है। पिछले 24 घंटों में हुई बारिश के चलते अंबिका और खापरी नदी बहाव तेज हो गया है। बोरखल, धोडवहड, सुपदहाड, सूर्याबरडा, नानापाडा और कुमारबंध कोजवे पानी में डूबने से यातायात ठप हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक गुरुवार के अलावा शुक्रवार को गुजरात में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। शुक्रवार को गुजरात के ज्यादातर जिलों में हलके से मध्यम बारिश होने की संभावना है। राज्य में मौसम की अब तक 38.98 प्रतिशत बारिश हुई है। जिसमें कच्छ मंडल में 31.74 प्रतिशत, उत्तर गुजरात में 31.40 प्रतिशत, पूर्व-मध्यम मंडल में 37.04 प्रतिशत, सौराष्ट्र में 34.38 प्रतिशत और दक्षिण गुजरात में मौसम की 46 प्रतिशत बारिश हुई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)